कमल संदेश
ikf{kd if=dk

संपादक

प्रभात झा, सांसद

कार्यकारी संपादक

डॉ. शिवशक्ति बक्सी

संपादक मंडल

सत्यपाल
संजीव कुमार सिन्हा

कला संपादक

धर्मेन्द्र कौशल
विकास सैनी

सदस्यता शुल्क

वार्षिक : 100/-
त्रि वार्षिक : 250/-

संपर्क

InL;rk : +91(11) 23005798
Qku (dk-) : +91(11) 23381428
QDI : +91(11) 23387887

ई–मेल

kamalsandesh@yahoo.co.in

प्रकाशक एवं मुद्रक : डा. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा डा. मुकर्जी स्मृति न्यास, के लिए एक्सेलप्रिंट, सी–36, एफ.एफ. कॉम्पलेक्स, झण्डेवालान, नई दिल्ली–55 से मुद्रित करा के, डा. मुकर्जी स्मृति न्यास, पी.पी–66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली–110003 से प्रकाशित किया गया। सम्पादक – प्रभात झा

विषय–सूची

भाजपा संसदीय दल के अध्यक्ष श्री लालकृष्ण आडवाणी 'जन चेतना यात्रा' के दौरान हिमाचल प्रदेश में एक विशाल जनसभा को सम्बोधित करते हुए।

जन चेतना यात्रा
एक रिपोर्ट..... 7
जन चेतना यात्रा का समापन..... 15

जन स्वाभिमान यात्रा
एक रिपोर्ट..... 19

साक्षात्कार
श्री नितिन गडकरी..... 20

लेख
चीन से सावधान रहने की जरूरत..... 22
–रामलाल
अक्षमता का भारी बोझ..... 24
बलबीर पुंज

अन्य
'लालकृष्ण आडवाणी : व्यक्तित्व और विचार' पुस्तक का लोकार्पण.. 14

राज्यों से
मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश..... 26
बिहार..... 27
झारखण्ड, हिमाचल प्रदेश, छत्तीसगढ़..... 28
उत्तराखण्ड..... 29

बोध कथा

सफलता के लिए एक लक्ष्य आवश्यक

एक गांव का लड़का था। वह अपने सम्बन्धी के पास शहर में जाकर रहने लगा। एक दिन उसने एक बहुत ही धनवान व्यक्ति को देखा तो उससे प्रभावित हुआ। लड़के ने धनवान बनने की ठान ली। वह प्रतिदिन काम करके कुछ धन कमाने लगा। धीरे–धीरे वह अतिरिक्त समय देते हुए बचत करने लगा। उसने कुछ धन एकत्र कर लिया। इसी बीच एक विद्वान से उसका परिचय हुआ। उसे लगा कि धनवान से अधिक सम्मान तो विद्वान का होता है। अतः विद्वान बनना चाहिए। अब वह कमाना छोड़कर विद्वान बनने के लिए पढ़ाई करने लगा। वह मन लगाकर पढ़ते हुए अक्षर ज्ञान प्राप्त कर चुका था। कि अचानक उसने एक संगीतज्ञ को देखा। उसे विद्वान एवं धनवान से अधिक संगीतज्ञ अच्छा लगा। संगीतज्ञ बनने का लक्ष्य बनाकर उसने पढ़ाई छोड़ दी और संगीत का अभ्यास करने लगा। कुछ वर्ष तक संगीत का अभ्यास करने के बाद भी वह संगीतज्ञ नहीं बन सका।

इस प्रकार कई वर्ष के बाद भी वह न तो धनी बन सका और न ही विद्वान और संगीतज्ञ। वह बड़ा उदास एवं दुःखी रहने लगा। एक दिन दुःखी मन से ही वह एक महात्मा के पास गया। महात्मा से अपने दुःख का कारण पूछा। महात्मा ने उससे पूर्व के कार्यों की जानकारी ली तो उनके समझ में आ गया कि यह व्यक्ति बार–बार लक्ष्य बदलता रहा है। महात्मा ने उसे समझाते हुए कहा– ''बेटा! दुनिया बहुत बड़ी है, जहां जाओगे वहां कोई न कोई आकर्षण दिखाई देगा। तुम उसमें फंस कर अपना लक्ष्य बदलते रहोगे तो उन्नति नहीं कर पाओगे। जीवन में सफलता चाहते हो तो एक लक्ष्य तय करो और पूरी लगन से उसे प्राप्त करने में लग जाओ, अवश्य ही तुम्हारी उन्नति होगी।''

व्यंग्य चित्र

हमें लिखें...

सम्पादक के नाम पत्र

कमल संदेश

सादर आमंत्रित

आपकी राय एवं विचार

सम्पादक,
कमल संदेश
डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पीपी–66
सुब्रह्मण्य भारती मार्ग, नई दिल्ली–110003
ई-मेल:
kamalsandesh@yahoo.co.in

प्रिय पाठकगण

कमल संदेश (पाक्षिक) का अंक आपको नियमित मिल रहा होगा। यदि किन्हीं कारणवश आपको कोई अंक प्राप्त न हो रहा हो तो आप अपने प्रदेश कार्यालय को या हमें अवश्य सूचित करें।

-सम्पादक

राष्ट्र का श्री लालकृष्ण आडवाणी के हौसले एवं जज्बे को नमन

सम्पादकीय

श्री लालकृष्ण आडवाणी द्वारा भ्रष्टाचार के विरुद्ध जन–जागरूकता लाने के प्रयास से राष्ट्र उनके प्रति नतमस्तक हो गया है। जन चेतना यात्रा के दौरान पूरे देश को नापने का उनका जज्बा और हौसला ना केवल प्रशंसनीय है परन्तु अभिनन्दनीय भी है। उनके यात्रा के परिणाम पर बहस हो सकती है परन्तु उनके हौसले को सब नमन कर रहे हैं। जब भारत का इतिहास लिखा जाएगा तब श्री लालकृष्ण आडवाणी का नाम भारतीय राजनीति के 'यात्रा पुरूष' के रूप में स्वर्णाक्षरों में अवश्य अंकित किया जाएगा जिन्होंने विभिन्न मुद्दों पर देश को जगाने के लिए भारत के हरेक इंच की यात्रा की। कुछ लोगों ने प्रधानमंत्री पद के मुद्दे को यात्रा के दौरान उछालना चाहा परन्तु यह हर किसी को पता है कि 'प्रधानमंत्री पद' श्री आडवाणी के लिए एक महत्वहीन विषय है। उन्होंने स्वयं ही कहा है कि ऐसे विषय भाजपा के संगठन के द्वारा तय किए जाते हैं ना कि किसी व्यक्ति के द्वारा। उन्होंने पूरे देश को सदा अपना परिवार माना तथा राष्ट्रहित को सदैव अपने परिवार एवं स्वयं से ऊपर रखा। भारतीय जनता पार्टी का यह सौभाग्य है कि अपने जन्म से ही उसे श्री आडवाणी का मार्गदर्शन मिला और अब उनके आशीर्वाद की अत्यधिक आवश्यकता है ताकि देश को वर्तमान संकट से उबारा जा सके।

जन चेतना यात्रा सम्पन्न हो चुकी है। यह घोषित रूप से 'भ्रष्टाचार से संघर्ष' तथा स्वच्छ राजनीति के युग के सूत्रपात के लक्ष्य के साथ शुरू हुआ था। 'भ्रष्टाचार मिटायेंगे, कालाधन वापस लायेंगे, भारत देश नया बनाएंगे', इसका घोष वाक्य था जिसने पूरे देश का ध्यान अपनी ओर खींचा। जहां कहीं भी वे गए उन्हें जबरदस्त समर्थन मिला। लोग उनका इंतजार करते थे, सड़कों के दोनों किनारों पर कतारों में खड़े होकर घंटों उनकी राहें तकते थे– लोग उनकी एक झलक पाने, उनको सुनने के लिए बेताब थे। लोग लाखों की संख्या में उनको सुनने और उन्हें समर्थन देने के लिए बाहर आये। ऐसा इसलिए भी था क्योंकि वे जन चेतना यात्रा के माध्यम से राष्ट्रहित के मुद्दों को उठा रहे थे।

यह देखकर कि चौरासी वर्ष की आयु में श्री लालकृष्ण आडवाणी देश को बचाने के लिए सड़क पर उतर चुके हैं देश का हर आदमी भावना से भर उठा। आज देश भ्रष्टाचार से त्रस्त है। हर दिन भ्रष्टाचार की कोई न कोई नई कहानी सुर्खियों में होती है। 2जी स्पेक्ट्रम घोटाला, आदर्श सोसाइटी घोटाला, राष्ट्रमण्डल खेल घोटाला, संटिक्स–देवास करार जैसे कई घोटालों ने देश को आंदोलित कर रखा है। लोगों का विश्वास व्यवस्था पर से उठ रहा है। राजनीतिज्ञों की छवि स्वार्थी एवं भ्रष्ट व्यक्ति की बन रही है। कांग्रेसनीत संप्रग की सरकार एक ऐसी व्यवस्था का सिरमौर बना बैठा है जिसका लगातार क्षरण हो रहा है, जहां भ्रष्टाचार एवं लूट का राज है तथा जहां लोकतंत्र का भविष्य खतरे में है। आज राष्ट्र के समक्ष गंभीर चुनौतियां मुंह बाये खड़ी हैं। ऐसे में श्री लालकृष्ण आडवाणी एक मूकदर्शक बने नहीं रह सकते थे। उन्होंने हमेशा देश को जगाया है। इस बार भी वह पूरे देश को जगाने निकल पड़े यह बताने के लिए कि लोकतांत्रिक व्यवस्था को अराजकता, कुशासन तथा लूट एवं भ्रष्टाचार के

शिकंजे से मुक्त कराना है।

कांग्रेस नीत संप्रग सरकार के अलोकतांत्रिक, अनैतिक एवं असहनीय रवैये के कारण श्री आडवाणी को यह कदम उठाना पड़ा। अनगिनत घोटालों के सामने आने पर भी प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह तथा संप्रग अध्यक्षा श्रीमती सोनिया गांधी हाथ पर हाथ धरे बैठे रहे। अपने सहयोगियों के अपराध पर वे चुप्पी साधे रहे तथा भ्रष्टाचार एवं लूट के राज को प्रश्रय देते रहे। भयंकर महंगाई के सामने उन्होंने जनता को अपने हाल पर छोड़ दिया। जब 'कैश फॉर वोट' घोटाला उजागर हुआ तथा न्यायालय के दबाव में पुलिस जांच शुरू हुई, षड्यंत्रकारियों को गिरतार करने की जगह 'व्हिसल ब्लोवर्स' को जेल में डाल दिया गया। यही वह समय था जब श्री आडवाणी स्वयं को रोक नहीं पाये। इस घटना ने श्री आडवाणी को लोगों के बीच जाने को बाध्य किया। सरकार की मंशा पर से श्री लालकृष्ण आडवाणी का विश्वास उठ गया। उन्होंने संसद में घोषणा की कि वे जनता के बीच जाएंगे। 'स्वच्छ राजनीति तथा भ्रष्टाचार के विरूद्ध संघर्ष' के रूप में भाजपा ने जन चेतना यात्रा की योजना बनाई। यह शायद ईश्वरीय हस्तक्षेप ही था कि जब जन चेतना यात्रा अपने अंतिम चरण में थी, न्यायालय ने पुलिस जांच की कटु आलोचना करते हुए 'व्हिसल ब्लोवर्स', जो अब तक तिहाड़ जेल में थे, उन्हें जमानत दी। श्री सुधीन्द्र कुलकर्णी, श्री फग्गन सिंह कुलस्ते, श्री महावीर प्रसाद भगोरा, श्री अशोक अर्गल तथा अन्य को रिहा करना पड़ा। श्री आडवाणी और भाजपा सही साबित हुए। कांग्रेस नीत संप्रग सरकार की मंशा जग जाहिर हो गई।

श्री लालकृष्ण आडवाणी ने जन चेतना यात्रा के माध्यम से पूरे देश में प्रचण्ड जनमत तैयार किया। पूरी यात्रा के दौरान उनका परिवार उनके साथ खड़ा रहा। भाजपा राष्ट्रीय महासचिव श्री अनंत कुमार (यात्रा प्रभारी) तथा श्री रविशंकर प्रसाद पूरे 40 दिनों तक श्री आडवाणी के साथ रहे। उनके अलावा भाजपा राष्ट्रीय सचिव श्री मुरलीधर राव तथा श्री श्याम जाजू ने भी यात्रा को सफल बनाने में कड़ी मेहनत की। एक तरफ जहां इन्हें यात्रा के दौरान देश को देखने एवं समझने का अवसर मिला वहीं दूसरी तरफ श्री आडवाणी को लगातार सहयोग देने एवं यात्रा को सफल बनाने के इनके प्रयासों का अभिनंदन किया जाना चाहिए। यात्रा के परिणामस्वरूप हर तरफ लोग भ्रष्टाचार के खिलाफ खड़े हो रहे हैं तथा विदेश से काला धन वापस लाना चाहते हैं। लोग स्वच्छ राजनीति के नए युग का आरम्भ देखना चाहते हैं जहां नैतिकता एवं मर्यादाओं का हनन ना हो। लोगों ने यात्रा को जबरदस्त समर्थन दिया है। परन्तु भ्रष्टाचार के विरूद्ध संघर्ष जारी रखना होगा, यात्रा के दौरान उठाये गए मुद्दों पर गंभीरतापूर्वक प्रयास करने होंगे, तभी हम अपने सपनों का नया भारत बना पायेंगे।■

वर्तमान संदर्भ में पं. दीनदयाल उपाध्याय के विचारों की प्रासंगिकता

लेख आमंत्रण

'कमल संदेश' में प्रकाशनार्थ ''वर्तमान संदर्भ में पं. दीनदयाल उपाध्याय के विचारों की प्रासंगिकता'' पर ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायी लेख आमंत्रित किए जाते हैं। एकात्म मानववाद के प्रणेता एवं हमारे प्रेरणास्रोत पं. दीनदयाल उपाध्याय ने अपना सम्पूर्ण जीवन मां भारती के गौरव और महिमा को बढ़ाने में लगा दिया। हमारा उनके सहयोगियों, सहकर्मियों, शोधकर्ताओं, लेखकों और पत्रकारों से अनुरोध है कि वे 'कमल संदेश' में अपने लेख भेजकर उनकी 'विचार यात्रा' के प्रकाशन में अपना सहयोग दें।

çHkkr >k] lkIn
lEikn

भूल सुधार

कमल संदेश (नवम्बर 16–30) अंक के अंतिम कवर पृष्ठ पर मूल्य वृद्धि के विरोध में भाजपा का देशव्यापी प्रदर्शन के तहत प्रकाशित चित्रों में निम्न चित्र पर भूलवश 'पश्चिम बंगाल' अंकित हो गया था। यह कार्यक्रम वास्तव में 'असम' प्रदेश में आयोजित हुआ था।

भ्रष्टाचार और काला धन के खिलाफ जंग जारी रहेगी : लालकृष्ण आडवाणी

लोकनायक जयप्रकाश नारायण की जन्मस्थली सिताबदियारा, (बिहार) से 11 अक्टूबर 2011 से जन चेतना यात्रा प्रारम्भ होकर दिल्ली में 20 नवम्बर, 2011 को सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। यात्रा के दौरान पूर्व उप–प्रधानमंत्री तथा भाजपा संसदीय दल के अध्यक्ष श्री लालकृष्ण आडवाणी का पूरे देशभर में अभिनंदन हुआ और भ्रष्टाचार, कालाधन और स्वच्छ राजनीति जैसे मुद्दों पर जन जागरण के प्रति चेतना जगी। 'कमल संदेश' निरंतर पिछले दो संस्करणों से यात्रा सम्बन्धी रिपोर्टें देता रहा है। 1–15 अक्टूबर 2011 के अंक में हमने बिहार, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और झारखण्ड पर रिपोर्ट दी थी तो 16–31 अक्टूबर 2011 संस्करण में उड़ीसा, तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, गोआ और महाराष्ट्र पर विस्तार से चर्चा की थी। इस अंक में हम यात्रा सम्बन्धी गुजरात, राजस्थान, पंजाब, हिमाचल, चण्डीगढ़, जम्मू और कश्मीर, हरियाणा, उत्तराखण्ड और दिल्ली के विवरण प्रस्तुत कर रहे हैं। हम दिल्ली के रामलीला मैदान में सम्पन्न समारोह की भी रिपोर्ट अलग से इस अंक में प्रकाशित कर रहे हैं। हमें आशा है कि पाठकों को इस यात्रा की एक समग्र दृश्यावली मिल सकेगी जिसने पूरे देश में जन–जागृति फैलाई है और देश को भ्रष्टाचार–मुक्त बनाने एवं विदेशी बैंकों में जमा काला धन वापस लाने एवं स्वच्छ राजनीति के निर्माण के प्रति आम जनता में चेतना जगाई है।

सूरत

आडवाणी ने लोगों के चहुंमुखी विकास के लिए गुजरात सरकार की सराहना की

भ्रष्टाचार और काला धन के खिलाफ जन चेतना यात्रा गुजरात में 6 नवम्बर को लोगों की विशाल भीड़ के उत्साह के बीच दमन चैक पोस्ट पर प्रवेश किया। गुजरात के मुख्यमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष श्री आर सी फालदू, लाखों भाजपा कार्यकर्ताओं तथा लाखों लोगों ने श्री आडवाणी जी के काफिले का बड़े जोशोखरोश से स्वागत किया। इस काफिले में आडवाणी जी के साथ भाजपा महासचिव श्री अनंत कुमार और श्री रविशंकर प्रसाद, भाजपा राष्ट्रीय सचिव श्री मुरलीधर राव और श्री श्याम जाजू भी मौजूद थे। बाद में राज्य की दो दिवसीय यात्रा के दौरान भाजपा नेता और विशाल जन समूह यात्रा के साथ चलते हुए पहले दिन दक्षिण गुजरात पहुंची। श्री आडवाणी ने वासी, वलसाद, नवसारी और सूरत में सम्बोधन किया।

सूरत की विशाल भीड़ को सम्बोधित करते हुए श्री

आडवाणी ने कहा कि मैंने अटल बिहारी वाजपेयी सरकार में तत्कालीन रेल मंत्री श्री नीतीश कुमार से कहा था कि यदि आप सर्वेक्षण करेंगे तो आप निश्चित इस निर्णय पर

पहुंचेंगे कि गुजरात में बिना टिकट यात्रा करने वालों की संख्या सबसे कम होती है। इससे गुजरात के लोगों का रवैया पता चल जाता है और इसी कारण राज्य का चहुंमुखी विकास हमें देखने को मिलता है।

उन्होंने मोदी द्वारा गुजरात के लोगों को 'सुराज' प्रदान करने की सराहना करते हुए कहा कि इस चहुंमुखी विकास का श्रेय राज्य के लोगों को जाता है। उन्होंने कहा कि सरकार को तो राज्य के विकास में योगदान देना होता है, परन्तु जो बात सर्वाधिक महत्व रखती है वह है लोगों का रवैया। गुजरात के लोगों का रवैया अन्य राज्यों के लोगों से कहीं अधिक भिन्न है और इसी से विकास कार्यों को आगे बढ़ाने में सहायता मिलती है।

श्री नरेन्द्र मोदी ने 1970 के दशक के प्रारम्भ में गुजरात के लोगों ने भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई लड़ने की याद दिलाते हुए कहा कि उस समय तो किसी ने इस समस्या पर विचार तक नहीं किया था। इसके बाद उन्होंने कालाधन की बात की। उन्होंने कहा कि विदेशों में लगभग 25 लाख करोड़ रूपयों का धन जमा है जिसे देश में वापस लाना जरूरी है। श्रोतागणों ने इस बात का पुरजोर समर्थन किया। श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि आज भ्रष्टाचार, काला धन और कांग्रेस इनका पर्याय बन गए हैं और भ्रष्टाचार को जड़ से मिटाना तभी संभव होगा जब हम बैलट के माध्यम से कांग्रेस को उखाड़ फेंकेंगे।

मुख्यमंत्री ने भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई के योगदान का स्मरण करते हुए कहा कि एक जनसंघ कार्यकर्ता श्री चिमनभाई शुक्ला ने राजकोट नगर निगम परिषद, राजकोट में सत्ता हथियाने के लिए कांग्रेस द्वारा घूस देने के मामले में अनिश्चितकालीन अनशन शुरू किया था, जिससे गुजरात में भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई लड़ने के बीज बो दिए गए थे, जो बाद में गुजरात में कांग्रेस की भ्रष्ट सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए 'नवनिर्माण' आंदोलन में परिवर्तित हो गई थी। इसी से सर्वोदय नेता जयप्रकाश नारायण को प्रेरणा मिली थी और उन्होंने उच्च पदों पर बैठे लोगों में भ्रष्टाचार के खिलाफ राष्ट्रव्यापी आंदोलन का आह्वान किया था। उन्होंने कहा कि यदि 25 लाख करोड़ रूपए का विदेशों में जमा धन वापस देश में ले आया जाए तो ग्रामीण भारत का चेहरा ही बदल जाएगा।

भरोच, गुजरात

कांग्रेस के 'सी' का मतलब 'करप्शन'

गुजरात के मुख्यमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने श्रीलाल कृष्ण आडवाणी के साथ उनके मतभेद होने के आरोप पर मीडिया के कथन की तीव्र आलोचना की। श्री मोदी ने कहा कि केन्द्र सरकार प्रिंट और इलेक्ट्रानिक मीडिया के मालिकों को यात्रा के बारे में गलत रिपोर्ट देने और लोगों के मन में भाजपा और राज्य सरकार के विकास के खिलाफ घृणा पैदा करने के लिए धमकाने के काम में जुटी हुई है। परन्तु हम तो लोगों के दिलों में बसे हैं और कांग्रेस द्वारा टेलीविजन स्क्रीन पर हमारी छवि धूमिल करने का प्रयास गुजरात के प्रगति की राह से हटाने में सफल नहीं हो पाएगा। भारी भीड़ वाली एक विशाल रैली को सम्बोधित करते हुए श्री आडवाणी, श्री मोदी से सहमत थे और उन्होंने कहा कि सच तो यह है कि कांग्रेस का 'सी' का मतलब ही 'करप्शन' अर्थात् भ्रष्टाचार है। कांग्रेस तो भ्रष्टाचार, कालाधन और कुशासन का वह नमूना है जिसका कहीं कोई अंत नहीं है और इसीलिए एनडीए शीतकालीन सत्र में कालाधन का मुद्दा तब तक उठाती रहेगी जब तक कांग्रेस–नीत यूपीए सरकार विदेशी बैंकों में जमा काला धन देश में वापस लाने की मांग नहीं मान लेती है।

जयपुर, राजस्थान

यात्रा का लोगों ने भव्य स्वागत किया

पूर्व उप–प्रधानमंत्री श्री लालकृष्ण आडवाणी ने कहा कि पूरे देश में लोगों ने बड़े उत्साहपूर्वक जन चेतना यात्रा का भव्य स्वागत किया है। जन चेतना यात्रा लाखों कार्यकर्ताओं के बीच जयपुर पहुंची, जहां नगर के बीचों–बीच बने रामलीला मैदान में एक जन सभा का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर, श्री आडवाणी ने कहा कि 1990 से मेरी यात्राओं का निरंतर स्वागत होता आया है।

श्री आडवाणी को इस शहर की पुरानी स्मृतियां स्मरण हो आयी जब वह कुछ वर्ष पहले इस शहर के अन्दर की तंग गलियों में एक पत्रकार के रूप में आए थे। उन्होंने कहा

कि जब भी अपनी यात्रा के दौरान इन गलियों में आता हूं तो हर बार पहले से अधिक लोगों का अभिनंदन प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि राम मंदिर यात्रा के दौरान लोगों का स्वागत मेरी उम्मीदों से भी कहीं अधिक रहा था। 1997 और 2007 के यात्राओं में और भी अधिक जनसमूह जुटा था। इस प्रकार के लोगों के उत्साह से पता चलता है कि भारतीय केवल रामभक्त ही नहीं, बल्कि राष्ट्रभक्त भी हैं।

जोधपुर, राजस्थान

हम कालाधन वापस लाने के लिए केन्द्र को मजबूर कर देंगे

श्री आडवाणी ब्यावर, अजमेर, और किशनगढ़ तथा जोधपुर पहुंचने और वहां एक विशाल रैली को सम्बोधित करते हुए कहा कि तीन ऐसे मुद्दे हैं जिन पर तुरंत ध्यान देना आवश्यक है और ये हैं– भ्रष्टाचार, महंगाई और काला धन। संसद में पहले दो मुद्दों पर तो बहस हुई है, परन्तु कालाधन पर अभी तक बहस भी नहीं हो पाई है। संसद के आगामी सत्र में भाजपा सरकार से काला धन पर जवाब मांगने की कोशिश करेगी। श्री आडवाणी ने कहा कि टैक्स हैवन्स में जमा 25 लाख करोड़ रूपए का धन देश में वापस आना चाहिए। यदि अमरीका, फ्रांस, अल्जीरिया और कुछ छोटे–छोटे देश भी ऐसे धन को वापस लाने की कार्रवाई कर सकते हैं तो भारत क्यों नहीं? जब सीएजी ने 1.76 लाख करोड़ रूपए के विशाल घोटाले का पता लगाया तो देश आश्चर्यचकित रह गया। अच्छा हो यदि हमें 25 लाख करोड़ रूपए का कालाधन वापस मिल जाए और हम इसका उपयोग देशहित में करें।

फगवाड़ा, पंजाब

सही-सोच वाले कांग्रेसी नेता भी कालाधन के खिलाफ, भाजपा की पहल का समर्थन करेंगे

कांग्रेस–नीत यूपीए सरकार पर जोरदार हमला बोलते हुए भाजपा संसदीय दल के चेयरमैन श्री लालकृष्ण आडवाणी ने कहा कि भाजपा और इसके सहयोगी दल आगामी शीतकालीन संसद सत्र में केन्द्र को स्विस बैंक खातों में धन जमा करने वाले लोगों के नाम सार्वजनिक करने के लिए बाध्य करेंगे। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार और महंगाई पर भाजपा ने जो पिछली बार दो वर्षों में पहल की थी, उस पर विरोधी दलों और लोगों का जन–समर्थन मिला था। इन पर बड़ी गहराई से संसद में बहस हुई। परन्तु, यह तीसरा मुद्दा काला धन का देश में वापस लाने को भारतीय जन में जागरूकता पैदा करना आवश्यक है और इस यात्रा में मुझे सफलता प्राप्त हुई है और इस प्रकार अब आम आदमी भी इस राशि को वापस देश में लाने की बात समझने लगा है। उन्होंने यह भी आशा व्यक्त की कि काला धन की वापसी पर भाजपा की पहल का समर्थन कुछ सही सोच वाले कांग्रेसी नेता भी करेंगे जैसा कि बोफोर्स मुद्दे पर पूर्व प्रधानमंत्री श्री वीपी सिंह के कार्यकाल में किया गया था और ऐसी समझ वाले नेता भी चाहेंगे कि इस विशाल राशि को जिसे बेईमानी से जमा किया गया है, देश के निर्माण में लगाया जाए।

अमृतसर, पंजाब

२जी घोटाले पर सोनिया गांधी चुप क्यों?

अमृतसर में अपने उद्‌बोधन में श्री आडवाणी ने यूपीए पर निशाना साधते हुए पुनः कहा कि भाजपा अपने सहयोगी दलों के साथ कांग्रेस और सत्ताधारी दलों के सहयोगियों को

उन राजनैतिक नेताओं तथा अन्य लोगों के नाम बताने के लिए बाध्य कर देगा, जिनका काला धन स्विस बैंकों में गया है।

मुझे पूरा विश्वास है कि एनडीए के घटक उन कांग्रेसी नेताओं की संलिप्तता का भण्डाफोड करने में सफल होंगे जिन्होंने विभिन्न स्थानों पर दुर्दांत भ्रष्टाचार कर अपना काला धन जमा कर रखा है।

उन्होंने आगे कहा कि यूपीए अध्यक्ष और कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को 2जी घोटाले पर अपनी चुप्पी तोड़ कर बताना चाहिए कि भ्रष्टाचार, काला धन, और मुद्रास्फीति पर आगामी शीतकालीन सत्र में सम्पूर्ण बहस की जाएगी।

श्री आडवाणी पवित्र गुरूद्वारा हरमन्दर साहिब (गोल्डन टैम्पल) परिसर गए और दुर्गियाना मंदिर और जलियांवाला बाग के शहीदों को श्रद्धा सुमन भेंट करने के बाद पठानकोट के रास्ते बटाला रवाना हो गए। विभिन्न स्थानों पर, विशेष रूप से बटाला में, श्री आडवाणी को जोरदार स्वागत हआ। अपने उद्‌बोधन में उन्होंने प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह, यूपीए चेयरपर्सन सोनिया गांधी और अन्य कांग्रेसी नेताओं पर अनेकों घोटालों के लिए निशाना साधा।

मंडी, हिमाचल प्रदेश

भ्रष्ट लोग जेल की हवा खाएं

मंडी (हिमाचल प्रदेश) में जन चेतना यात्रा का भव्य स्वागत हुआ। मुख्यमंत्री प्रो. प्रेम कुमार धूमल, सभी मंत्रीगण और भाजपा के वरिष्ठ नेता तथा विशाल जन समूह ने पूर्व उप प्रधानमंत्री श्री लालकृष्ण आडवाणी और उनकी जन चेतना यात्रा का हिमाचल प्रदेश में जोरदार स्वागत किया।

मंडी में विशाल रैली को सम्बोधित करते हुए श्री आडवाणी ने कहा कि संसद में यूपीए–I से सम्बन्धित 'नोट के बदले वोट' घोटाला भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में सबसे बड़ा कलंक है। उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसे सांसद, जिनके बारे में आरोप है कि उन्होंने कांगेस–नीत यूपीए को वोट देने के लिए 5 करोड़ रूपए से लेकर 10 करोड़ रूपए तक लिए, वे तो खुले–आम घूम रहे हैं तथा वे तीन भाजपा सांसद जिन्होंने 'व्हिसल ब्लोअर' का काम कर टीवी चैनल स्टिंग आप्रेशन किया, उन्हें सलाखों के पीछे डाल दिया गया है।

उन्होंने कहा कि भाजपा '2012 को जवाबदेही का वर्ष' बनाएगी और 2जी स्पेक्ट्रम, राष्ट्रमण्डल खेलों और नोट के बदले वोट घोटालों में फंसे भ्रष्टाचार के लिए जिम्मेदार लोगों को दण्ड दिलाएगी।

इसके अलावा, विदेशी बैंकों में जमा 25 लाख करोड़ रूपए के काला धन को देश में वापस लाया जाए ताकि इससे देश की 31 नदियों को आपस में मिलाने, बाढ़ समस्या और सूखा समस्या का अंत किया जा सके।

श्री आडवाणी ने 2010 और 2011 को घोटालों के वर्ष का नाम दिया और कहा कि वह सुनिश्चित करेंगे कि आगामी शीतकालीन संसद सत्र को जवाबदेही का वर्ष बनाया जाए। भ्रष्टाचार में लिप्त लोगों को जेल भेजा जाए।

अपने भाषण में श्री आडवाणी ने कहा कि भ्रष्टाचार, गरीबी और मुद्रास्फीति का उत्तरदायी कारक है। उन्होंने कहा कि सुराज और विकास एक दूसरे के साथी है और सुराज तथा विकास में भ्रष्टाचार का कोई स्थान नहीं रहता है।

राज्यसभा में विपक्ष के नेता श्री अरूण जेटली ने यूपीए–II को केवल पैसा बनाने वाला एक विभाजित सदन का नाम देते हुए आरोप लगाया कि यूपीए में भ्रष्टाचार की जड़ें इतनी गहरी हो चुकी हैं कि उसके कई मंत्री तिहाड़ जेल की शोभा बढ़ा रहे हैं।

श्री जेटली ने प्रो. धूमल के सुराज की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंने विभिन्न योजनाओं द्वारा लोगों को बड़ी राहत

पहुंचाई है।

भाजपा उपाध्यक्ष श्री शांता कुमार ने एमनेस्टी इंटरनेशनल रिपोर्ट का उदाहरण देते हुए केन्द्र के कांग्रेसी शासन पर प्रहार करते हुए कहा कि भारत में अरबपतियों की सूची तो बढ़ती जा रही है, परन्तु आज भी 70 करोड़ लोग 20 रूपए प्रति दिन की मामूली सी आय पर गुजारा करने को मजबूर हैं तथा चार करोड़ लोग बेरोजगार हैं।

चंडीगढ़

यात्रा का उद्देश्य यूपीए के भ्रष्टाचार को उजागर करना

चण्डीगढ़ में भ्रष्टाचार और काला धन के खिलाफ जन चेतना यात्रा में शामिल होने के लिए हजारों लोग जमा हो गए। हवाई अड्डे पर स्थानीय लोकनृत्य 'भांगडा' से श्री आडवाणी का स्वागत किया गया। आडवाणी जी ने अपने रथ से अपने समर्थकों का हाथ हिलाकर अभिनंदन किया और पूरा हवाई अड्डा 'भाजपा जिंदाबाद' के नारों से गूंज उठा।

श्री आडवाणी के साथ लोकसभा में विपक्ष की नेता श्रीमती सुषमा स्वराज, भाजपा महासचिव श्री अनंत कुमार और श्री रविशंकर प्रसाद, एवं श्रीमती किरण खेर भी शामिल थे। श्री आडवाणी के रथ का काफिला चंडीगढ़ के नागरिकों के लिए आकर्षण का केन्द्र बन गया था। श्री आडवाणी के रथ के साथ–साथ भाजपा युवा कार्यकर्ताओं की साईकिल रैली नारे लगाती चल रही थी। यात्रा समापन से पूर्व रथ शहर के सेक्टर 29, 30, 20, 21, 22 और 24 से गुजरा।

सेक्टर 29 में स्थानीय भाजपा कार्यकर्ताओं ने अपने नेताओं का अभिनंदन तोप से फूल दाग कर किया। भाजपा की महिला शाखा ने भी साईं धाम मंदिर पर आडवाणी जी का स्वागत किया।

चण्डीगढ़ में विशाल रैली को सम्बोधित करते हुए पूर्व उप–प्रधानमंत्री श्री लालकृष्ण आडवाणी ने कहा कि इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य लोगों को जागरूक करना है कि किस प्रकार से यूपीए सरकार गहन भ्रष्टाचार और कुशासन में फंसी है जिससे देश की छवि बुरी तरह से गिर चुकी है।

उन्होंने याद दिलाया कि लोकतांत्रिक परम्परा का परिरक्षण और देश का विकास एक प्रमुख मुद्दा है और आपने देखा है कि 'इमर्जेंसी के काले दिनों' को छोड़ कर भारत सदैव 60 वर्षों से लोकतंत्र के रास्ते पर चलता आया है।

उन्होंने कहा कि मेरी यात्रा की कोई योजना नहीं थी, परन्तु मैंने देखा कि संसद में 'नोट के बदले वोट घोटाले' में एक ऐसी घटना हुई जिसने मुझे विक्षुब्ध कर दिया कि ऐसे सांसद जिन्होंने 'व्हिसल ब्लोअर' का काम किया, उनका सम्मान किए जाने के बजाए उन्हें जेल में डाल दिया गया। अतः इसने मुझे प्रेरित किया कि मैं लोगों को 'यात्रा' कर बताने का प्रयास करूं कि अब समय आ गया है कि ऐसे घोर असंवेदनशील शासन को दण्डित किया ही जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि विकीलीक्स ने 2008 में यूपीए शासन को बचाने के लिए सांसदों से घूस देने के मामले में कांग्रेस की भूमिका का पर्दाफाश किया था। इन बंदी सांसदों की जमानत का स्वागत करते हुए उन्होंने कहा कि वह दिन दूर नहीं जब इन्हें लोकतंत्र मजबूत करने के लिए संसद में सम्मानित किया जाएगा।

श्री आडवाणी ने कहा कि लोगों से मुझे पता चला है कि वे इस असंवेदनशील सरकार से बेहद आक्रोशित हैं और उन्हें आसमान छूती महंगाई अब अस्वीकार्य है। अब लोग सरकार के समृद्धि के दावों को भी स्वीकार नहीं कर रहे हैं क्योंकि यह कुछ ही लोगों तक सीमित है जबकि यूपीए शासन में सभी मोर्चों पर विफल होने के कारण आम आदमी कष्ट भोग रहा है।

श्री आडवाणी ने कहा कि अकालियों के कारण ही भारत में आज भी लोकतंत्र कायम है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस द्वारा

राज्य में सभी शक्तियों पर नियंत्रण करने के षड्यंत्र के खिलाफ अकालियों ने ही 1984 में लगाई गई इमर्जेंसी के खिलाफ लड़ाई लड़कर लोकतंत्र को बचाने का काम किया था।

उन्होंने कहा कि अब तो लोग अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में एनडीए के शासन की तुलना यूपीए के कुशासन से करने लगे हैं। एनडीए ने लोगों को हर तरह से राहत पहुंचाई और विकास की प्रक्रिया की पहल की।

जम्मू, जम्मू और कश्मीर

आडवाणी ने एएफएसपीए हटाने का विरोध किया

पूर्व उप–प्रधानमंत्री श्री लालकृष्ण आडवाणी ने एएफएसपीए हटाने का यह कहते हुए विरोध किया कि हमारी सेना ने जम्मू और काश्मीर में प्रशंसनीय कार्य किया है।

विशाल रैली को सम्बोधित करते हुए उन्होंने आगे कहा कि उक्त कानून हटाने से सेना पंगु बन जाएगी। जम्मू–कश्मीर में सेना रहने के कारण ही आज यह राज्य भारत का अंग है, सैनिकों ने बड़ी भारी कुर्बानियां दी हैं। परन्तु, दुर्भाग्य है कि यदि कोई समस्या खड़ी होती है तो उसके लिए सेना को दोषी ठहराया जाता है। यह न्यायसंगत नहीं है और इससे सेना का मनोबल गिरता है। इस प्रकार का कदम उठाने से पूर्व सेना की सहमति आवश्यक है और उसकी उपेक्षा नहीं की जानी चाहिए। यह सच है कि हमें मणिपुर में कुछ उदाहरण मिले हैं, परन्तु जम्मू और कश्मीर में अलग दृष्टिकोण की आवश्यकता है।

श्री आडवाणी ने कांग्रेस–नीत यूपीए सरकार की पाकिस्तान पर बनी नीतियों की भी आलोचना की। जब हम सत्ता में थे तो हमने आतंकवाद के खिलाफ 'जीरो टालरेंस' का रूख अपनाया था और हम सोचते थे कि यूपीए भी उसी पर चलेगी, परन्तु ऐसा हुआ नहीं।

देहरादून, उत्तराखण्ड

लोकतंत्र और परिवारवाद एक साथ नहीं चल सकते

भाजपा संसदीय दल के अध्यक्ष श्री लालकृष्ण आडवाणी ने कहा कि जिस प्रकार भ्रष्टाचार और 'सुराज' एक साथ नहीं चल सकते, उसी प्रकार लोकतंत्र और परिवारवाद भी एक साथ नहीं चल सकते हैं। उत्तराखण्ड में जन चेतना यात्रा की पहली जनसभा पेरेड ग्राउण्ड, देहरादून में सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि यह उनकी यात्रा का 35वां दिन है जिसका समापन 20 नवम्बर को दिल्ली में होना है। 17 नवम्बर को उन्होंने राज्य में चार जनसभाओं को सम्बोधित किया।

एक विशाल रैली को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस–नीत यूपीए–II सरकार का परिवारवादी राजनीति चलाने का प्रयास इस सरकार की घोर विफलता का कारण है।

अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में एनडीए शासन की तुलना अन्य केन्द्रीय सरकारों से करते हुए उन्होंने कहा कि 1998–2004 के छह वर्षों के कार्यकाल में अटल जी ने भारत को परमाणु शक्ति बना दिया था। इसके बाद अमरीका सरकार ने भारत पर आर्थिक प्रतिबंध लगाए और हमने गुजरात भूकम्प तथा अन्य अनेक 'साइक्लोनों' का भी सामना

किया। फिर भी हमने अपने छह वर्षों के शासनकाल में लोगों को हर तरह की राहत पहुंचाई, न महंगाई बढ़ने दी और न ही अमरीका सरकार के आगे झुके।

श्री आडवाणी ने कहा कि यूपीए सरकार के फैसले निहायत पंगु अवस्था में लिए जाते हैं। उदाहरण के लिए तेलंगाना मुद्दे पर आंध्र प्रदेश जल रहा है और 400 से अधिक लोगों ने आत्महत्याएं की हैं, यहां तक कि एक युवक ने संसद के बाहर भी अपना जीवन समाप्त कर लिया, परन्तु वर्तमान सरकार मजाल है कि कुछ भी संवेदनशील हो सके।

उन्होंने इस बात पर संतोष व्यक्त किया कि अपने 60 वर्ष के राजनीतिक जीवन में उन्होंने छह रथ यात्राएं कीं परन्तु सर्वाधिक समर्थन जन चेतना यात्रा को मिला क्योंकि इस देश का एक–एक आदमी दैनिक जीवन में हो रहे भ्रष्टाचार से उकता चुका है। उदाहरण के लिए, भाजपा का तमिलनाडु की विधानसभा में कोई प्रतिनिधित्व नहीं है, परन्तु वहां यात्रा को भारी समर्थन मिला।

केरल यात्रा का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें

मालूम है कि बहुत से लोग खाड़ी देशों या दुबई में काम करते हैं और वे अपने देश को पैसा भेजते हैं। इससे हमारा विदेशी रिजर्व बढ़ता है, परन्तु अब यह आय कम हो गई है क्योंकि यह धारणा बन गई है कि भारत तो एक भ्रष्ट देश है।

उन्होंने आगे कहा कि अंग्रेजों ने इस देश पर लगभग 200 वर्षों तक राज किया और यहां से लूट कर केवल एक लाख करोड़ रूपए ही ले जा सके, परन्तु अब स्थिति यह है कि पिछले 64 वर्षों में ही हमारे लोगों का 25 लाख करोड़ रूपए लूट लिया गया है, जिन्हें विदेशी बैंकों में जमा कराया गया है। दुःख इस बात का है कि सरकार इस धन को वापस लाने के लिए कुछ नहीं कर रही है। इस अवसर पर अन्य लोगों के अलावा, पूर्व मुख्यमंत्री श्री नित्यानंद स्वामी, श्री भगत सिंह कोश्यारी और डॉ. रमेश पोखरियाल, भाजपा राष्ट्रीय महासचिव, श्री अनंत कुमार, श्री रविशंकर प्रसाद, भाजपा राष्ट्रीय सचिव श्री मुरलीधर राव, श्री श्याम जाजू, सभी केबिनेट मंत्री तथा अन्य वरिष्ठ नेता उपस्थित थे।

हरिद्वार, उत्तराखण्ड

लोगों का प्यार प्रधानमंत्री पद से कहीं बड़ा

ऋषिकुल मैदान की भारी भीड़ से मिले समर्थन से अभिभूत हुए पूर्व उप–प्रधानमंत्री श्री लालकृष्ण आडवाणी ने कहा कि अपने 60 वर्ष के राजनीतिक जीवन में जितना प्यार मुझे लोगों से मिला है, वह प्यार, तो देश के प्रधानमंत्री पद पर बैठने से कहीं बड़ा है। मैं यह बात लगातार कहता रहता हूं कि जितना प्यार मुझे लोगों से समर्थन पाकर हुआ है, जितना प्यार मेरी पार्टी, मेरे परिवार और मेरे देश ने मुझे दिया है, उसके सामने प्रधानमंत्री पद पर आसीन होना तुच्छ है। श्री आडवाणी ने यह बात अपनी जन चेतना यात्रा के दौरान उत्तराखण्ड में ऋषिकुल मैदान, हरिद्वार में आयोजित जन सभा में कही।

उन्होंने देश के लोकतांत्रिक इतिहास में कांग्रेस पर सर्वाधिक भ्रष्ट सरकार चलाने का आरोप लगाया। कांग्रेस ने विश्वभर में हाल के वर्षों में हुए अनेकों घोटालों से भारत की छवि को कलंकित कर दिया है। यह भ्रष्टाचार ही है जिसके कारण भारत में अब तक की सर्वाधिक महंगाई बढ़ी है। अपने लम्बे राजनीतिक जीवन और अपनी 80 वर्ष की आयु के बारे में उपहासास्पद ढंग से उनका कहना था कि जब लोग मेरी आयु की बात करते हैं तो मेरी बेटी कहती है कि ये आपकी आयु पर बुरी नजर लगा रहे हैं।

उन्होंने फिर यह बात दोहराई कि जिन सांसदों ने नोट के बदले वोट मामले में 'व्हिसल ब्लोअर' का काम कर कांग्रेस में बैठे उच्चतम पदों पर भ्रष्टाचार का पर्दाफाश किया है, और जिन्हें जेल भेजा गया है, उन्हें सम्मानित किया जाएगा। ■

'लालकृष्ण आडवाणी : व्यक्तित्व और विचार' पुस्तक का लोकार्पण

'निष्कलंक आडवाणी हैं भाजपा की पूंजी'

Hkkजपा संसदीय दल के अध्यक्ष श्री लालकृष्ण आडवाणी ने कहा कि वह अत्यंत सौभाग्यशाली हैं कि उन्हें अपने परिवार और संघ परिवार का भरपूर स्नेह मिला। यही उनकी सबसे बड़ी ताकत रही। उन्होंने कहा कि संभवतः भारत ऐसा देश है जहां कोई राजनीतिक पद हासिल करने वाला इतना प्रभावी बन जाता हैं जितना दुनिया के किसी और देश में नहीं हो पाता। उन्होंने कहा कि राजनीति में कोई पद मिलने के बाद अहंकार आ जाता है, लेकिन इससे बचना चाहिए। उसे अपनी जिम्मेदारी को सहज भाव और ईमानदारी से निर्वहन करना चाहिए।

श्री आडवाणी अपने 85वें जन्मदिन पर हिंदी दैनिक स्वदेश द्वारा 'श्री लालकृष्ण आडवाणी : व्यक्तित्व और विचार' पर प्रकाशित संग्रह के विमोचन समारोह को संबोधित कर रहे थे।

श्री आडवाणी ने पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी के साथ गुजारे वक्त के संस्मरण सुनाते हुए कहा कि वाजपेयी असाधारण वक्ता हैं और शुरू में तो वह उनके भाषण को सुनकर सोचते थे कि वह कभी भी राजनीतिक पद हासिल नहीं कर पाएंगे। लेकिन वाजपेयी के कारण ही वह पहली बार जनसंघ के अध्यक्ष बने थे। उन्होंने कहा कि वह कभी अच्छे वक्ता नहीं रहे।

लोकसभा में विपक्ष की नेता श्रीमती सुषमा स्वराज ने कहा कि वरिष्ठ भाजपा नेता और पूर्व उप–प्रधानमंत्री श्री लालकृष्ण आडवाणी की भारतीय राजनीति में निर्मल और निष्कलंक व्यक्ति की छवि है और वह भाजपा की पूंजी हैं। आडवाणीजी ऐसे नेता हैं जिनके दामन पर एक भी दाग नहीं है। उन्होंने श्री आडवाणी के दीर्घायु होने की कामना करते हुए कहा कि भाजपा उनके नेतृत्व में आगे कदम बढ़ाती रहेगी। श्रीमती स्वराज ने कहा कि आडवाणीजी ने राजनीति में कई उदाहरण पेश किए। उन्होंने पहली बार छद्म धर्मनिरपेक्षता शब्द को गढ़ा। जिसके पीछे उनका तर्क था कि सबको न्याय मिले और किसी को तुष्टीकरण नहीं हो। वह सदैव इस बात पर जोर देते रहे हैं कि सभी समान हैं। आडवाणीजी ने भारतीय राजनीति को बदलने का काम किया है।

राज्यसभा में विपक्ष के नेता श्री अरुण जेटली ने कहा कि जब 1985 में लोकसभा में भाजपा को दो सीटें मिलीं थी तब आडवाणी जी ने कहा था कि भाजपा किसी गठबंधन की पिछलग्गू नहीं बनेगी बल्कि वह अपने नेतृत्व में गठबंधन को चलाएंगी। आडवाणीजी में सबको साथ लेकर चलने की गजब की क्षमता है। उनके अंदर यह भी क्षमता रही है कि वह किसी भी मुद्दे पर अभियान छेड़ने के बाद उसे राष्ट्रीय चिंतन का विषय बना देते हैं। भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री राजनाथ सिंह ने कहा कि आडवाणी को अलग करके भाजपा की राजनीतिक यात्रा को देखना कठिन होगा। उन्होंने आडवाणी की प्रधानमंत्री पद की दावेदारी को लेकर अक्सर मीडिया में लगने वाली अटकलों पर कटाक्ष करते हुए कहा कि आडवाणी एकमात्र नेता हैं जिनकी छवि को सजाने–संवारने के लिए किसी अलंकरण या शब्द की जरूरत नहीं है। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि आडवाणी जी कुशल प्रशासक, श्रेष्ठ चिंतक और मानवीय संवेदनाओं से परिपूर्ण व्यक्तित्व के धनी हैं। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह और झारखंड के मुख्यमंत्री श्री अर्जुन मुंडा ने श्री आडवाणी को सात्विक कार्यकर्ता और मार्गदर्शक बताया। ■

यूपीए सबसे भ्रष्ट सरकार : लालकृष्ण आडवाणी

जनचेतना यात्रा समाप्त लेकिन भ्रष्टाचार के खिलाफ जंग जारी रहेगी

& fo'k"k lokn nkrk }kjk

Hkk जपा संसदीय दल के अध्यक्ष श्री लालकृष्ण आडवाणी के नेतृत्व में 'स्वच्छ राजनीति एवं सुशासन' के मुद्दे पर निकली 'जन चेतना यात्रा' का दिल्ली में भव्य स्वागत हुआ। 11 अक्टूबर 2011 को सिताबदियारा (बिहार) से निकली इस यात्रा का समापन 20 नवम्बर 2011 को दिल्ली में हुआ। घने कोहरे के बावजूद हजारों लोगों ने हाथी–घोड़े, ऊंट के साथ गाजीपुर सीमा पर पहुंचकर रथ पर फूल की पंखुड़ियां बरसायीं। गाजीपुर चौक से आगे हसनपुर डिपो, कड़कड़ी मोड़ होते हुए यात्रा विकास मार्ग पर प्रीत विहार, लक्ष्मी नगर, आईटीओ, बहादुरशाह जफर मार्ग, दिल्ली गेट होते हुए रामलीला मैदान पहुंची। रास्ते में जगह–जगह सड़क किनारे ढोल–नगाड़े बजाकर व फूल बरसा कर यात्रा का स्वागत किया गया। रास्ते में चारों ओर पार्टी ध्वज और 'भ्रष्टाचार–मिटाएंगे, कालाधन–वापस लाएंगे' और 'भारत देश–नया बनाएंगे' नारे लिखे बैनर लहरा रहे थे। करीब डेढ़ बजे यात्रा अपने गंतव्य रामलीला मैदान पर पहुंची। यहां एक भव्य जनसभा आयोजित हुई, जिसमें उपस्थित जनसैलाब ने यह बता दिया कि भ्रष्टाचार और कालेधन के मुद्दे पर जनता किस कदर आक्रोशित है।

जनसभा में जुटी भारी भीड़ से उत्साहित Jh ykyd".k vkMok.kh ने कहा कि भ्रष्टाचार के खिलाफ अभी यात्रा पूरी हुई है, लेकिन जंग जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार को रोकने की नीयत सरकार में नहीं है। मौसम का कोहरा तो हट जायेगा लेकिन भारत की राजनीति में सरकार के भ्रष्टाचार के कारण जो कोहरा छाया है, वह जनमत, जनचेतना

tupruk ;k=k % ,d utj

11 vDVwcj 2011 dks fcgkj ls 'kq#
20 uoEcj 2011 dks fnYyh esa lekIr
38 fnuksa rd pyh
100 ftyksa dh ;k=k
22 jkT; vkSj 5 dsanz'kkfflr çns'kksa esa ?kwesa
7600 fdyksehVj dh njh r; dh

और सत्ता परिवर्तन से ही छटेंगा।

उन्होंने कहा कि लगातार बढ़ती मंहगाई और भ्रष्टाचार के कारण लोगों में भारी गुस्सा है। फिर भी सरकार को कोई फर्क नहीं पड़ रहा है। हमारे प्रधानमंत्री खुद एक अर्थशास्त्री हैं लेकिन वह भी सिर्फ लोगों को भरोसा ही देते हैं, अभी तक महंगाई दहाई अंक से नीचे नहीं आ पाई है।

जन चेतना यात्रा को मिली जबरदस्त सफलता का जिक्र करते हुए श्री आडवाणी ने कहा कि अपने 60 साल के राजनीतिक जीवन में मैंने इतना जनसमर्थन कभी नहीं देखा। यात्रा को तमिलनाडु और केरल जैसे जगहों पर भी भारी समर्थन मिला, जहां भाजपा एक राजनीतिक शक्ति नहीं है।

उन्होंने प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि कांग्रेसनीत सरकार की साख उसके प्रधानमंत्री थे, पर भ्रष्टाचार के कारण यह साख मिट्टी में मिल गई है। उन्होंने कहा कि मैंने प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के समय से अब तक की सरकारें देखी हैं, लेकिन ऐसा कभी नहीं हुआ कि एक के बाद एक मंत्री भ्रष्टाचार के कारण हटाए गए हों या जेल भेजे गए हों। उन्होंने कहा कि यह सब प्रधानमंत्री की सख्ती के कारण नहीं हो रहा, बल्कि नियंत्रक और महालेखा परीक्षक तथा अदालत की बदौलत हो रहा है।

उन्होंने कहा कि 'वोट फॉर कैश' प्रकरण में 'व्हिसलब्लोअरों' की भूमिका निभाने वाले हमारी पार्टी के सदस्यों को जेल भेज दिए जाने की घटना ने मुझे इस यात्रा के लिए प्रेरित किया था। मुझे खुशी है कि यात्रा के समापन मौके पर उसी मुद्दे का दिल्ली हाईकोर्ट ने समाधान कर दिया है।

Hkktik d jk"Vh; vè;{k Jh fufru xMdjh ने कांग्रेस पर सवालिया निशान लगाते हुए कहा कि 2जी स्पेक्ट्रम मामले में सिर्फ ए. राजा ने ही इसमें बैंड बाजा नहीं बजाया था बल्कि चिदंबरम भी राजा के साथ घोटालों में शामिल थे। राजा जेल में है तो चिदंबरम क्यों नहीं है?

श्री गडकरी ने मनमोहन सिंह को बेबस प्रधानमंत्री बताते हुए कहा कि कोई उनकी बात नहीं सुनता है। योजना आयोग के गांवों में 27 रुपये और शहरों में 32 रुपये कमाने वाले लोगों को गरीबी रेखा से ऊपर बताने पर श्री गडकरी ने

अटल जी को याद कर

अपने संबोधन के दौरान आडवाणी वाजपेयी को याद कर भावुक हो गए। उन को अटलजी से मिला था। उनका आशी जीवन में कुल छह यात्रा निकाली है, ल बिहारी वाजपेयी का सक्रिय साथ मेरे सा

बताकर चुटकी लेते हुए कहा कि मनमोहन सिंह और सोनिया गांधी को यह बताना चाहिए कि 27 और 32 रुपये कमाने वाले कैसे अमीर होते हैं और वह किस तरह से अपना गुजारा करें।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रमंडल खेल के नाम पर जिस प्रकार को देश के पैसे को लूटा गया उसमें शीला दीक्षित की अहम भूमिका थी। जो काम 120 करोड़ रुपये में होने थे, उसे उन्होंने 980 करोड़ में कराया। श्री गडकरी ने योग गुरू बाबा रामदेव पर रामलीला मैदान में हुए लाठीचार्ज के बारे में कहा कि रामलीला मैदान में कांग्रेस ने लाठीचार्ज करके रावणलीला का परिचय दिया है।

श्री गडकरी ने जोर देकर कहा कि जब तक विदेशी बैंकों से कालाधन वापस नहीं आएगा तब तक आडवाणीजी के नेतृत्व में संघर्ष जारी रहेगा।

ykdlHkk esa foi{k dh urk Jherh lq"kek Lojkt us dgk fd सभी मामलों में प्रधानमंत्री अपने सहयोगी दलों पर ठीकरा फोड़कर बरी होना चाहते हैं। घोटाला होने पर वह कहते हैं कि राजा से पूछो और महंगाई के मुद्दे पर कहते हैं कि शरद पवार से पूछो। जब प्रधानमंत्री को कुछ नहीं पता तो वह आखिर किस मर्ज की दवा हैं। उन्होंने कहा कि मैंने लोकसभा में प्रधानमंत्री से एक शेर के जरिए सवाल किया था ''तू इधर–उधर की बात न कर, यह बता कि काफिला क्यों लुटा, मुझे रहजनों से गिला नहीं, तेरी रहबरी का सवाल है।'' इस पर प्रधानमंत्री ने एक गैर–प्रासंगिक शेर के जरिए जवाब दिया। उन्होंने कहा कि लेकिन अपने शेर का मैं ही आज प्रधानमंत्री को यह कहकर जवाब देती हूं, ''मैं बताऊं कि काफिला क्यों लुटा, तेरा रहजनों (लुटेरों) से वास्ता था, और इसी का हमें मलाल है।''

jkT;lHkk esa foi{k dh urk Jh v#.k tsVyh us भी प्रधानमंत्री पर निशाना साधते हुए कहा कि संप्रग सरकार के पास नेतृत्व और विश्वसनीयता का संकट पैदा हो चुका है। यह देश की अब तक की सबसे भ्रष्ट सरकार है। श्री जेटली ने कहा कि आडवाणी ने देश में भ्रष्टाचार के खिलाफ नई चेतना खड़ी कर दी है, जिसके लिए वह बधाई के पात्र हैं। उन्होंने कहा कि देश के राजनीतिक हालात ऐसे हैं कि किसी भी सरकार को अपना अस्तित्व बनाए रखने

भावुक हुए आडवाणी

जी पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी होंने कहा कि यात्रा से पूर्व 10 अक्टूबर र्वाद लेकर चला था। अपने राजनीतिक लेकिन यह पहला मौका था जब अटल थ नहीं था। यह कमी मुझे बेहद खली।

विदेशी बैंकों में कालाधन नहीं होने से संबंधित घोषणा-पत्र देंगे राजग सांसद

काले धन के सबंध में जर्मनी द्वारा दिए गए 700 लोगों के नामों का जिक्र करते हुए श्री आडवाणी ने कहा कि सरकार ने अभी तक इस पर कोई ठोस प्रतिक्रिया नहीं दी है। और न ही उन नामों का खुलासा करने की सरकार की मंशा है। उन्होंने कहा की शीतकालीन सत्र शुरू होने पर राजग के सभी सासंद चाहे वह राज्य सभा से हों या लोक सभा से, वे अध्यक्ष को एक घोषणापत्र सौंपेंगे, कि 'मैं यह घोषणा करता हूं कि विदेशी बैंकों में मेरा प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष कोई खाता नहीं है।'

के लिए दृढ़ नेतृत्व के साथ चलना होगा।

jktx ds la;kstd Jh 'kjn ;kno us कहा कि जिधर देखो उधर ही आदमी इस सरकार से बेचैन है। बेकारी का हाल यह है कि अंग्रेजी स्कूल में पढ़ने वालों को ही नौकरी मिल रही है। धरती और आसमान दोनों में लूट मची है। आदिवासी इलाकों में खनिज की लूट मची है। आकाश में स्पैक्ट्रम घोटाला किया जा रहा है। भ्रष्टाचार का हाथी घूम रहा है और हाथी की पूंछ कलमाड़ी को पकड़ लिया गया है। उन्होंने कहा कि देश की ऐसी हालत पहले कभी नहीं हुई। आज हर वर्ग परेशान है। कालेधन का विदेश जाना रुका नहीं है। किसानों की हालत खराब है। शिक्षा की स्थिति बेहद खराब है।

Hkktik ds jk"Vªh; egkea=h ,oa ;k=k ds izHkkjh Jh vuar dqekj us कहा कि भाजपा सत्ता परिवर्तन के साथ व्यवस्था परिवर्तन करना चाहता है। जनचेतना ने दूसरे संपूर्ण क्रांति का ऐलान किया है। जल्द ही एनडीए एक रणनीति तैयार कर यूपीए के खिलाफ लड़ाई का शंखनाद करेगा।

इस जनसभा में भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सर्वश्री वेंकैया नायडू एवं राजनाथ सिंह, भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री एवं यात्रा के सहप्रभारी श्री रविशंकर प्रसाद, दिल्ली विधानसभा में विपक्ष के नेता प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा, दिल्ली प्रदेश भाजपाध्यक्ष श्री विजेन्द्र गुप्ता, शिवसेना नेता श्री अनंत गीते, अकाली दल नेता श्री मंजीत सिंह, अन्नाद्रमुक नेता एम. थांबिदुरई, आरपीआई नेता श्री रामदास अठावले सहित अनेक वरिष्ठ नेतागण उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन दिल्ली प्रदेश भाजपा के महामंत्री सर्वश्री आशीष सूद एवं प्रवेश वर्मा ने किया। ■

esjs çFke çèkkuea=h tokgjyky usg: ds le; ls vc rd dh ljdkjsa ns[kh gSa] ysfdu ,slk dHkh ugÈ gqvk fd ,d ds ckn ,d ea=h Hkz"Vkpkj ds dkj.k gVk, x, gksa ;k tsy Hksts x, gksaA

—लालकृष्ण आडवाणी, अध्यक्ष, भाजपा संसदीय दल

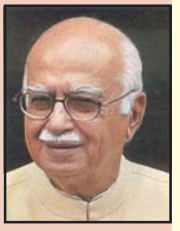

2th LisDVªe ekeys esa flQZ ,- jktk us gh blesa cM+s ckt ugÈ ctk;k Fkk cfYd fpnEcje Hkh jktk ds lkFk ?kksVkyksa esa 'kkfey FksA jktk tsy esa gSa rks fpnEcje D;ksa ugÈ gSa\

—नितिन गडकरी, राष्ट्रीय अध्यक्ष, भाजपा

?kksVkyk gksus ij ç/kkuea=h th dgrs gSa fd jktk ls iNks vkSj egaxkbZ ds eqís ij dgrs gSa fd 'kjn iokj ls iNksA tc çèkkuea=h dks dqN ugÈ irk rks og vkf[kj fdl ethZ dh nok gSA

—सुषमा स्वराज, लोकसभा में विपक्ष की नेता

laçx ljdkj ds ikl usrRo vkSj fo'oluh;rk dk ladV iSnk gks pqdk gSA ;g ns'k dh vc rd dh lcls Hkz"V ljdkj gSA vkMok.kh th us ns'k esa Hkz"Vkpkj ds f[kykQ ubZ psruk [kM+h dj nh gSA

—अरुण जेटली, राज्यसभा में विपक्ष के नेता

èkjrh vkSj vkleku nksuksa esa ywV eph gSA vkfnoklh bykdksa esa [kfut dh ywV eph gSA vkdk'k esa LisDVªe ?kksVkyk fd;k tk jgk gSA Hkz"Vkpkj dk gkFkh ?kwe jgk gS vkSj gkFkh dh iwaN dyekMh dks idM+ fy;k x;k gSA

—शरद यादव, संयोजक, राजग

बहुमत मिलने पर प्रदेश को विकास की मुख्यधारा से जोड़ेगी भाजपा : नितिन गडकरी

Hkkजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन गडकरी ने उत्तर प्रदेश को 'उत्तम प्रदेश' बनाने के लिए लोगों से अपील की है कि वे कांग्रेस, सपा एवं बसपा की मौजूदा भ्रष्ट सरकार को हटाकर आने वाले चुनाव में भाजपा को ही स्पष्ट बहुमत दें ताकि गुजरात, बिहार और मध्य प्रदेश की तरह उत्तर प्रदेश भी विकास की धारा में शामिल हो सके। श्री गडकरी अयोध्या में 17 नवम्बर 2011 को पार्टी की जन स्वाभिमान यात्रा के समापन अवसर पर आयोजित ''विजय संकल्प समागम'' की जनसभा को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि प्रदेश के लोग जातिवाद, अवसरवाद तथा संकीर्णता को भूलकर विकास के रोल माडल पर चलना चाहते हैं। यह तभी संभव है जब लोग एकजुट होकर भाजपा का समर्थन करें क्योंकि भाजपा ही अकेली ऐसी पार्टी है जो भय, भूख और भ्रष्टाचार से मुक्ति दिला सकती है। श्री गडकरी ने कहा कि पार्टी ने प्रदेश के विकास के लिए विशेष कार्ययोजना तैयार की है, जिसके तहत राज्य को विकास की धारा से जोड़ा जाएगा। मसलन तीर्थाटन की योजना, गन्ना उत्पादन योजना के अलावा पर्यटन योजना के द्वारा लोगों को बड़ी संख्या में रोजगार दिये जाएंगे।

उन्होंने कहा कि सभी मोर्चों पर विफल हो चुकी बसपा सरकार लोगों का ध्यान हटाने के लिए बंटवारे का प्रस्ताव रख रही है, आखिर साढ़े चार साल बाद उसे बंटवारे की याद क्यों आई? श्री गडकरी ने कहा उनकी पार्टी बंटवारे के विरोधी नहीं है लेकिन यह संवैधानिक तरीके से हो तभी इसका समर्थन करेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश के लोगों ने कांग्रेस को सबसे ज्यादा मौका दिया लेकिन वह अपनी जिम्मेदारियों पर खरी नहीं उतरी। अवसरवाद की राजनीति करने वाली सपा और बसपा दोनों से ही लोगों का मोह भंग हो चुका है। इसलिए भाजपा जरूर अपनी सरकार बनाएगी।

श्री गडकरी ने कहा कि उच्च न्यायालय की लखनऊ खंडपीठ द्वारा दिए गए निर्णय के बाद मंदिर निर्माण का रास्ता तो साफ हो गया है लेकिन रामराज्य की स्थापना करना अभी शेष है। उन्होंने रामराज्य की संकल्पना को दोहराते हुए कहा कि ऐसे रामराज्य की स्थापना की जाएगी जहां हिन्दू, मुस्लिम, ईसाई सभी को समान रूप से न्याय मिलेगा तथा सभी को विकास के समान अवसर मुहैया कराए जाएंगे।

श्री गडकरी ने कांग्रेस महासचिव राहुल गांधी से सवाल पूछा कि आप प्रदेश के लोगों को किस आधार पर भिखारी कहते है? आप उनका अपमान करते हैं। क्या आप बताएंगे, उन्हें भिखारी बनाने के लिए कौन जिम्मेदार है?

इस अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री श्री राजनाथ सिंह ने कहा कि जन स्वाभिमान यात्रा में लोगों से मिला अपार जनसमर्थन देखने के बाद वह यह कहने की स्थिति में हैं कि राज्य में भाजपा अपनी सरकार बनाएगी। श्री सिंह ने पार्टी की वचनबद्धता दोहराते हुए कहा कि पार्टी अपने दम पर सरकार बनाएगी, बहुमत नहीं मिलने पर विपक्ष में बैठने को तैयार है लेकिन समझौते का सवाल ही नहीं उठता।

श्री सिंह ने कहा कि तमाम पार्टियों के नेताओं ने लोगों से झूठे वायदे किए और विश्वास को तोड़ा जिससे लोगों का नेताओं से विश्वास उठने लगा है।

शेष पृष्ठ 30 पर

प्रत्येक कार्यकर्ता को काम मिलना चाहिए : नितिन गडकरी

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन गडकरी का पंजाब प्रदेश कार्यसमिति (5.11.2011) के निमित्त लुधियाना आगमन हुआ। श्री गडकरी ने जहां पंजाब प्रदेश कार्यसमिति का विशेष मार्गदर्शन किया, वहीं भाजपा पंजाब की पत्रिका "कमल सुनेहा" के सम्पादक डॉ. भाई परमजीत सिंह से पंजाब विधानसभा चुनाव, पंजाब की वर्तमान परिस्थिति एवं भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए उपयोगी बातचीत भी की। यहां प्रस्तुत है मुख्यांशः

आपके कार्यकाल में अभूतपूर्व संगठनात्मक कार्य हुए हैं, जैसे १२ नये प्रकोष्ठ के गठन हुए हैं। आप इस बारे में और क्या जानकारी देंगे?

मेरा मानना है कि भाजपा के प्रत्येक कार्यकर्ता को काम मिलना चाहिए। प्रत्येक कार्यकर्ता में कुछ न कुछ गुण अवश्य रहते हैं। कार्यकर्ता के गुणों का सदुपयोग करना चाहिए। व्यक्ति में कुछ अवगुण भी रहते हैं। उनका सुधार करना चाहिए। इसी दृष्टि से नये–नये प्रकोष्ठ का गठन किया गया है, ताकि अधिक से अधिक कार्यकर्ता को संगठन मजबूत करने हेतु काम में लगाया जा सके।

आपके प्रभावी नेतृत्व में जिन प्रदेशों में भाजपा काफी कमजोर थी, अब वहां भी संगठन मजबूत हुआ है। केरल की ३ सीट पर ४३००० वोट प्राप्त हुए हैं। तमिलनाडु की ६ सीटों, पांडिचेरी की ३ सीटों, बंगाल की ५ सीटों पर अच्छे प्रदर्शन के चलते हम और ध्यान देने जा रहे हैं। बिहार में तो हमने ५५ सीटों से बढ़कर ९१ सीटों पर विजयश्री प्राप्त की है। क्या पंजाब में भी आपकी इस अनूठी कार्यशैली का अच्छा प्रभाव मिलेगा?

मुझे पंजाब भाजपा के कर्मठ कार्यकर्ताओं पर पूरा–पूरा भरोसा है। पंजाब का नेतृत्व एवं पंजाब के कार्यकर्ता पूरी लगन एवं मेहनत से कार्य कर रहे हैं। भाजपा अकाली दल की सरकार ने पंजाब की जनता की अच्छी सेवा की है। भाजपा–अकाली दल के अच्छे प्रदर्शन के फलस्वरूप हम पिछली बार 23 विधानसभा सीटों में से 19 सीटों पर जीत प्राप्त की थी। अब स्थिति भाजपा के पक्ष में है, हम इस बार विधानसभा चुनाव में 23 में से 23 सीटें प्राप्त करने का यश पायेंगे।

भाजपा पर केन्द्र सरकार का बड़ा दायित्व आ रहा है। एक वरिष्ठ कम्युनिस्ट नेता का भी कहना है कि "जनता तो तैयार है, क्या भाजपा भी सरकार संभालने के लिए तैयार है।" आपका इस विषय पर क्या कहना है?

भारतीय जनता पार्टी भयमुक्त–भ्रष्टाचारमुक्त शासन देने के लिए प्रयासरत है। भाजपा केवल सत्ता के लिए संघर्ष नहीं कर रही, भाजपा देश की सेवा करने में विश्वास रखती है। हमारा येन–केन–प्रकारेण

सत्ता प्राप्ति में विश्वास नहीं। 'सुशासन' एवं 'अन्त्योदय' की सोच पर कार्य कर रहे हैं, करते रहेंगे यदि भाजपा को जनता सुशासन हेतु मौका देगी तो हम सुशासन संभालने हेतु पूरी तरह तैयार हैं।

आपका मानना है कि राजनीति रोजगार नहीं, व्यवसाय नहीं, कार्यकर्ता को अपने पैरों पर खड़ा होना चाहिए? इस बारे में आपका क्या कहना है?

भाजपा राजनीति को राष्ट्र सेवा का एक माध्यम मानती है। मेरा स्पष्ट कहना है कि जो लोग भाजपा के द्वारा व्यवसाय के बारे में सोचते हैं, वे गलत हैं, वे कृपया आज ही भाजपा छोड़ कर जा सकते हैं। भाजपा इस राष्ट्र को 'परम वैभव' पर ले जाने हेतु प्रयासरत है और हम इस सोच वाले सभी बंधुओं का हम आह्वान करते हैं कि भाजपा में भ्रष्टाचार का कोई स्थान नहीं है।

भाजपा राजनीति को राष्ट्र सेवा का एक माध्यम मानती है। मेरा स्पष्ट कहना है कि जो लोग भाजपा के द्वारा व्यवसाय के बारे में सोचते हैं, वे गलत हैं, वे कृपया आज ही भाजपा छोड़ कर जा सकते हैं। भाजपा इस राष्ट्र को 'परम वैभव' पर ले जाने हेतु प्रयासरत है और हम इस सोच वाले सभी बंधुओं का हम आह्वान करते हैं कि भाजपा में भ्रष्टाचार का कोई स्थान नहीं है।

आप एक किसान (कृषि विद्) हैं। पंजाब किसान प्रधान देश है। पंजाब के किसानों के नाम संदेश?

इस देश का दुर्भाग्य है कि हमारा 58 हजार करोड़ टन अनाज खुले आकाश में सड़ जाता है। पंजाब के किसान देश के सर्वश्रेष्ठ एवं मेहनती हैं। हमारा मानना है कि किसानों को उनके क्षेत्र में ही गोदाम बनाने के लिए 70 प्रतिशत धन राशि उपलब्ध करवानी चाहिए। 10 हजार टन के पीछे गोदाम बनाने की केन्द्र सरकार को योजना बनानी चाहिए। पंजाब का देश में गेहूं एवं चावल पैदा करने में विशेष योगदान है। मैं पंजाब के किसानों को अपने हृदय से सम्मान एवं सत् श्री अकाल करता हूं।

आपके नेतृत्व में भाजपा का विशेष विस्तार हुआ। भाजपा का भविष्य उज्ज्वल है। पंजाब में भी आप पुनः सरकार बना कर इतिहास बनायेंगे। ऐसा आपको भी लगता है?

हमारा कार्यकर्ता परिश्रमी एवं निष्ठावान है। पूरे देश में भाजपा कार्यकर्ताओं ने पूरी मेहनत एवं लगन से भाजपा को मजबूत करने के लिए काम किया है। भाजपा–अकाली दल सरकार ने 'सेवा का अधिकार' विधेयक पास कर अभूतपूर्व कार्य किया। इससे पूर्व हमारी मध्य प्रदेश एवं उत्तराखण्ड सरकार ने 'जनता को जवाबदेही' विधेयक एवं मजबूत लोकपाल का गठन कर दिया है। ऐसे में मुझे लगता है कि जनता भाजपा की सरकारें पुनः बना रही हैं। पंजाब में भी भाजपा–अकाली दल की सरकार पुनः अवश्य आयेगी।

संगठन सर्वोपरि, कहते है नितिन गडकरी परन्तु कुछ पदाधिकारी ऐसे वक्तव्य देते हैं, जिसमें अपने आप ईमानदार-साफ बाकी सब पर प्रश्नचिह्न! ऐसे पर आपका क्या मार्गदर्शन है?

भाजपा में स्पष्ट मानना है Nation First-Party Second-Self Last ऐसे में हमारी स्पष्ट नीति है। हम स्वयं स्वार्थ मुक्त हो देश सेवा के लिए भाजपा की सोच का प्रसार करें। भाजपा एक अनुशासित पार्टी है। पार्टी में सबका कार्य तय है, हमें अपना–अपना कार्य निष्ठा व लगन से करना चाहिए। इधर–उधर ध्यान नहीं देना चाहिए। बड़ा या छोटा यदि कोई वक्तव्य देता है, उसे ऐसा नहीं करना चाहिए। कुछ सुधार हुआ। कुछ और जरूरत है।

आपका पंजाब विधानसभा से पूर्व पंजाब भाजपा के कार्यकर्ता एवं पंजाब वासियों के नाम संदेश?

पंजाब भाजपा के कार्यकर्ता कर्मठ एवं मेहनती हैं। पंजाब भाजपा का नेतृत्व भी सक्षम है। अभी मैं लंदन में था, तो वहां भी गुरूद्वारा साहिब के दर्शन करने गया था। पंजाबियों का पूरी दुनिया में बड़ा नाम है। हम सब मिलकर भारत एवं पंजाब को परम उत्कर्ष पर पहुंचाने हेतु पूरी मेहनत से काम कर पंजाब को एक आदर्श राज्य बनाने में पूरा–पूरा योगदान करेंगे। पंजाब भाजपा कार्यकर्ता को इस बात का संकल्प लेना चाहिए कि वे भाजपा–अकाली दल सरकार द्वारा एक आदर्श राज्य बनायेंगे। ■

चीन से सावधान रहने की जरूरत

jkeyky

पड़ोसी कभी बदलता नहीं। वह मित्र और सहयोगी रहे तो दोनों का जीवन सुख व शांति से चलता है। यदि उसकी कृदृष्टि है तो हर समय असुरक्षा व अशांति का वातावरण रहेगा।

जहां तक भारत का प्रश्न है उसने हमेशा मित्र पड़ोसी की भूमिका का ही निर्वाह किया है। हमने अपने जैसा ही पड़ोसियों को समझा किन्तु वे वैसे थे नहीं अतः पाक के साथ 48, 65, 71 तथा कारगिल तथा चीन के साथ 1962 में हमें धोखा मिला और युद्ध में जाना पड़ा। 'हिन्दी–चीनी भाई–भाई' के नारे के पीछे की कुटिलता को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के तत्कालीन सरसंघचालक पूज्य श्री गोलवलकर जी ने समझा तथा व्यक्त भी किया और कहा था कि सीमा पर चीन तैयारी कर रहा है, हम धोखे में न रहें। किन्तु दुर्भाग्यवश तत्कालीन केन्द्रीय शासन ने गुरूजी की इस दूरदृष्टि का मजाक बनाया तथा चीन पर अति विश्वास करके न तो उसकी तैयारियों का आकलन किया और न ही अपनी तैयारी की। परिणामस्वरूप अपने को बड़ा धोखा हुआ। उस समय देश के अन्दर के ही कुछ लोगों द्वारा चीन की प्रशस्ति और भी दुर्भाग्यपूर्ण रही। वह मानसिकता आज भी बनी हुई है।

पाकिस्तान के बारे में हम अधिक परिचित है, क्योंकि वहां आये दिन कुछ न कुछ भारत के विरूद्ध चलता ही रहता है। सीमापार से लगातार आतंकवाद, तस्करी व नकली मुद्रा का कारोबार चलता है। ये अवैध कारोबार पाकिस्तान की गुप्तचर संस्था आईएसआई के माध्यम से वहां की सरकार के संरक्षण में ही चलता है, इससे कौन अपरिचित है। भारत की शांति व्यवस्था तथा भारतीय बाजार व्यवस्था दोनों को ही प्रभावित किया जा रहा है। अब तो आईएसआई के तार भारत के अन्दर सक्रिय कई उग्रवादी गुटों से भी सीधे जुड़े दिखाई देते हैं।

कश्मीर घाटी के अलगाववादियों को तो हर तरह का संरक्षण वहां से मिलता ही है। पाकिस्तान का चीन के साथ गठजोड़ भारत के लिये बड़ी चुनौती है।

जहां तक चीन का प्रश्न है उसे साम्यवादी कहने के सथान पर साम्राज्यवादी कहना अधिक सही है। उसकी नीयत ही यह है, इसलिये उसकी नीति भी वही हैं। नीति के स्थान पर अनीति कहा जाये तो उपयुक्त होगा।

जहां तक भारत के सम्बंध का विषय है तो सर्वप्रथम हम कैलाश–मानसरोवर की चर्चा को कैसे छोड़ सकते हैं। भारत की आस्थाओं का केन्द्र उसके कब्जे में हैं।

1951 तक भारत–तिब्बत सीमा कहलाती थी। चीन ने तिब्बत को हड़प लिया और हमें अब उसे भारत–चीन सीमा कहना पड़ता है। चीन अपने पड़ोसी देशों की सीमाओं का कभी सम्मान नहीं करता। उसके द्वारा अतिक्रमण का ही प्रयास रहता है। जापान, वियतनाम, नेपाल, भारत आदि इसके उदाहरण हैं। 1962 में लेह–लद्दाख में 138000 वर्ग कि.मी. भूमि पर कब्जा किया। अभी आये दिन अरूणाचल की 90000 वर्ग कि.मी. भूमि पर दाबे जताने की कोशिश होती है। POK में 10000 सैनिकों की उपस्थिति नये खतरे का संकेत है। कुछ लोगों का तो यहां तक कहना है कि POK कहीं COK तो नहीं बन जायेगा।

अभी तो चीन भारत को चारों ओर से घेरने की कोशिश में लगा है। पाकिस्तान के साथ मिलकर पश्चिम किनारे तक पहुंच कर रहा है। ग्वादर में उसने अड्डे बना लिये हैं। उत्तर में नेपाल में सत्ता संतुलन में भूमिका निभाकर अपना प्रभुत्व जमाने का प्रयास कर रहा है, तिब्बत पर उसका कब्जा है ही। उत्तर पूर्व के उग्रवादी गुटों को अप्रत्यक्ष प्रश्रय देकर अरूणाचल से नागालैंड होकर म्यांमार तक अपनी

1951 तक भारत–तिब्बत सीमा कहलाती थी। चीन ने तिब्बत को हड़प लिया और हमें अब उसे भारत–चीन सीमा कहना पड़ता है। चीन अपने पड़ोसी देशों की सीमाओं का कभी सम्मान नहीं करता। उसके द्वारा अतिक्रमण का ही प्रयास रहता है। जापान, वियतनाम, नेपाल, भारत आदि इसके उदाहरण हैं। 1962 में लेह–लद्दाख में 138000 वर्ग कि.मी. भूमि पर कब्जा किया। अभी आये दिन अरूणाचल की 90000 वर्ग कि.मी. भूमि पर दाबे जताने की कोशिश होती है। POK में 10000 सैनिकों की उपस्थिति नये खतरे का संकेत है। कुछ लोगों का तो यहां तक कहना है कि POK कहीं COK तो नहीं बन जायेगा।

पहुंच बढ़ाने की उसकी योजनाओं को कौन नहीं जानता। बंगलादेश के चटगांव, म्यांमार के कोको एवं श्रीलंका के लिये हंवनदोटा पर अपने सैनिक अड्डे बनाकर अंडमान निकोबार के 40 किमी तक अपनी पहुंच बना ली है।

पूर्व, पश्चिम, उत्तर, दक्षिण चारों ओर से भारत को घेरने के इरादे स्पष्ट हैं।

भारत के अन्दर नक्सलवादी व माओवादियों के गुटों को संरक्षण देकर नेपाल में पशुपतिनाथ से लेकर आंध्र में तिरूपति तक लाल गलियारा बन ही चुका है।

चीन द्वारा अपने साइबर योद्धाओं के माध्यम से देश के संचार व सूचना तंत्र में सेंध लगाने की घटनाएं एवं देश के विविध संवेदनशील स्थानों पर अत्यंत अल्प निविदा मूल्य पर परियोजनाओं में प्रवेश के माध्यम से अपने गुप्तचर तंत्र का फैलाव भी साफ दिखाई दे रहा है जो देश की सुरक्षा के लिए गम्भीर संकट है।

जमीनी सीमा से लेकर सम्पूर्ण समुद्री सीमा (सिन्धु सागर, गंगा सागर व हिन्द महासागर) पर चीन खड़ा दिखाई दे रहा है अपनी पूरी सैन्य शक्ति के साथ। परमाणु बम ले जाने में सक्षम लम्बी दूरी के अर्न्तमहाद्वीपीय प्रक्षेपास्त्रों तथा 8500 किमी तक मार कर सकने वाली सामग्री की तैनाती अत्यंत खतरनाक है।

भारत ने यदि दक्षिण चीन सागर में प्रवेश किया तथा कुछ विषयों पर विएतनाम से समझौता किया तो चीन को इस पर घोर आपत्ति है। हमारे बढ़ने पर आपत्ति, स्वयं के आने पर स्वच्छंदता।

ब्रह्मपुत्र व अन्य नदियों पर बांध व बहाव को मोड़ने के प्रयासों का कुपरिणाम तो सभी पड़ौसी देशों यथा बंगलादेश, पाकिस्तान, लाओस, कम्बोडिया, वियतनाम व म्यांमार पर पड़ेगा।

आर्थिक दृष्टि से भी भारतीय बाजार चीनी उत्पादों से पटे पड़े हैं। यह देश की अर्थव्यवस्था के लिये गम्भीर चुनौती है। दुर्भाग्य से सूचना प्रौद्योगिकी में साजो सामान चीनी लगाये जा रहे हैं, विद्युज्जनेन संयत्रों सहित अन्य उच्च प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में भी चीन पर बढ़ता अवलम्बन भविष्य में कठिनाई पैदा करेगा।

हम कल्पना करें कि दो पड़ोसी देश चीन व पाक एक साथ भारत के विरुद्ध युद्ध छेड़ते हैं तो क्या स्थिति होगी। यदि ऐसे में लाल गलियारे में सक्रिय तत्व भारतीय सेना के आवागमन को अवरूद्ध करते हैं तो सम्पूर्ण उत्तर पूर्व (NE) उस समय पर तो भारत से कट ही जायेगा।

चीन में अन्दर सब कुछ ठीक नहीं है। वहां भी कई प्रकार के आर्थिक व समाजिक असंतुलन पैदा होने से तनाव है। यदि वहां सरकार के प्रति कोई जन उभार होता है तो ध्यान बंटाने के लिये विदेशी आक्रमण जैसा संकट बताना चीन के लिये उपयोगी होगा।

एक तरफ चीन की तैयारी, दूसरी ओर भारत की तैयारी में कितनी असंवेदनशीलता है, इसका नमूना है कि NE में अरूणाचल, मेघालय, मिजोरम, त्रिपुरा, सिक्किम, नागालैंड में रेलवे लाइन तक नहीं है। कई राज्यों में एयरपोर्ट नहीं है। कश्मीर घाटी में भी ऊपर तक रेलवे लाइन ले जाने का कार्य शुरू हुआ है। पता नहीं कब तक पूरा होगा।

हमारी सशस्त्र सेनाएं मुकाबले में सक्षम हैं, उन्होंने समय–समय पर अपनी क्षमता का प्रगटीकरण किया है किन्तु सरकार द्वारा उन्हें वांछित ढांचागत सुविधाओं तथा शास्त्रास्त्र के आधुनिकीरण में जैसा सहयोग चाहिये वह दिखाई नहीं देता। ये सभी बातें लोगों को गहरी चिंता में डालने वाली हैं।

- शासन तुरंत ढ़ांचागत सुविधाओं का विकास करे तथा शस्त्रास्त्रों के आधुनिकीरण हेतु चिंता करे।
- हम असहाय, बिखरे हुए, निराश, अनिर्णय के शिकार न दिखें।
- नक्सलवाद पर प्रभावी कार्यवाही करें किन्तु गृहमंत्री यह न कहें कि वही देश के लिये सबसे बड़ा खतरा है। यह कह कर सीमा पार से आने वाले खतरों से असावधान न रहें।
- Look East Policy पर कार्य करें। उसमें अन्य पड़ौसी देशों के साथ वियतनाम की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है क्योंकि उसने दोनों महाशक्तियों से टक्कर भी लेकर अपने को खड़ा रखा है।
- यहां यह ध्यान रहे कि वियतनाम सहित दक्षिण पूर्व एशिया के सभी देशों से भारत के सांस्कृतिक सम्बंध हजारों वर्ष पुराने हैं। आर्थिक हित भी इन देशों के साथ जुड़ते हैं।
- भारत उनके सुख–दुख का साथी बने, यह आकांक्षा व स्वीकारोक्ति

चीन द्वारा अपने साइबर योद्धाओं के माध्यम से देश के संचार व सूचना तंत्र में सेंध लगाने की घटनाएं एवं देश के विविध संवेदनशील स्थानों पर अत्यंत अल्प निविदा मूल्य पर परियोजनाओं में प्रवेश के माध्यम से अपने गुप्तचर तंत्र का फैलाव भी साफ दिखाई दे रहा है जो देश की सुरक्षा के लिए गम्भीर संकट है।

शेष पृष्ठ 26 पर

अक्षमता का भारी बोझ

✍ cychj i|t

dkग्रेस महासचिव राहुल गांधी को केवल गैर–कांग्रेस शासित राज्यों में ही गुस्सा क्यों आता है? मिशन उत्तर प्रदेश में जुटे युवराज ने पिछले दिनों जवाहर लाल नेहरू के संसदीय क्षेत्र से कांग्रेस के चुनावी अभियान की शुरुआत करते हुए राज्य की बदहाली पर क्रोध आने की बात की। उन्होंने इस अवसर पर युवाओं से यह भी पूछा कि कब तक मुंबई जाकर भीख मागते रहोगे? रोजगार के लिए युवाओं के पलायन पर भी उन्होंने आक्रोश व्यक्त किया, किंतु कांग्रेस के नेतृत्व वाली संप्रग सरकार की अक्षमता के कारण देश जिन समस्याओं से त्रस्त है और पस्त जनता जिन तकलीफों से छुटकारा पाने की उम्मीद लगाए बैठी है उसकी उन्होंने चर्चा तक नहीं की। केंद्र के एक दर्जन से अधिक नेता और नौकरशाह भ्रष्टाचार के आरोपों में सलाखों के पीछे हैं तो कुछ के अंदर जाने की बारी आने वाली है। महंगाई से आम आदमी के निवाले पर आफत आई हुई है, किंतु वह मौन हैं। देश भ्रष्टाचार से मुक्ति पाने और विदेशों में जमा काले धन की वापसी को लेकर आदोलनरत है, किंतु इन मुद्दों पर कोई चर्चा नहीं।

लोकतंत्र के नाम पर वर्ष 2004 में कांग्रेस ने जो नया प्रयोग किया, देश आज उसका खामियाजा भुगत रहा है। प्रधानमंत्री पद पर बैठे व्यक्ति के पास वास्तविक सत्ता नहीं है, लेकिन जो सत्ता के मुख्य केंद्र हैं उन्हें भी देश की चिंता नहीं है। संप्रग सरकार के कार्यकाल में नेतृत्वहीनता के कारण जिस तरह का अनिश्चितता का माहौल है उसके दुष्परिणाम हर कहीं देखे जा सकते हैं। ज्वलंत मुद्दों पर कांग्रेस अध्यक्षा सोनिया गांधी से लेकर युवराज राहुल गांधी तक खामोश हैं। दिल्ली, राजस्थान, महाराष्ट्र, केरल, गोवा आदि की कांग्रेस सरकारों पर भ्रष्टाचार के कई गंभीर आरोप हैं, किंतु राहुल को गुस्सा बिहार, उत्तर प्रदेश, गुजरात और मध्य प्रदेश में आता है। पचास वर्षों से अधिक समय तक कांग्रेस का एकछत्र राज होने के बावजूद दलितों व वंचितों की सामाजिक व आर्थिक स्थिति गिरती रही। गरीबी हटाने के लिए इंदिरा गांधी के बीस सूत्रीय कार्यक्रमों की आखिर उपलब्धि क्या है? नेहरू के समय से उत्तर प्रदेश कथित रूप से एक वंश विशेष की तपोभूमि है, लेकिन यहां कितने कल–कारखाने लगाए गए। पूरब का मैनचेस्टर कहे जाने वाले कानपुर की मिलें क्यों बंद हुईं? असम के डिगबोई से प्राप्त तेल के परिशोधन के लिए तत्कालीन बिहार के बरौनी में संयंत्र लगाने का क्या औचित्य था? यहां सवाल नीतियों का है। नीति निर्धारक जब तक जमीनी हकीकत से नहीं जुड़ेंगे, देश का समेकित और समग्र विकास असंभव है।

आज सरकार में नेतृत्वहीनता की स्थिति के कारण हर तरफ बदहाली छाई हुई है। देश के नामी उद्योगपति, अर्थशास्त्री, न्यायविद् आदि सरकार के नाम बार–बार खुला पत्र लिखकर सरकार से देश की समस्याओं पर ध्यान देने की अपील कर रहे हैं। बड़े उद्योगपति भी सरकार की निर्णयहीनता पर प्रश्न खड़ा कर रहे हैं तो देश के महालेखा परीक्षक की टिप्पणी है कि सरकार लोगों का भरोसा खो चुकी है। इस नाकारा व्यवस्था पर लग रहे आरोप क्या निराधार हैं? देश के 30 बड़े उत्पादक संयंत्र कोयले का अभाव झेल रहे हैं। 20 हजार मेगावाट बिजली उत्पादन का लक्ष्य रखने वाले संयंत्र ठप हैं और वर्ष 2016 से पहले उनमें काम प्रारंभ होने की कोई उम्मीद नहीं है। ये प्लाट इसलिए बंद हैं, क्योंकि उनके पास बिजली उत्पादन के लिए कोयला नहीं है। कोल इंडिया विगत जनवरी माह से बिना किसी पूर्णकालिक अध्यक्ष के काम कर रहा है। संयंत्रों को कोयला इसलिए भी नहीं मिल पा रहा,

आज भ्रष्टाचार, महंगाई और विदेशों में जमा कराया गया काला धन सार्वजनिक चिंता का विषय है। जर्मनी की सरकार से 700 बड़े कर चोरों का पता चला है। सरकार उनके नाम क्यों छिपा रही है? भ्रष्टाचार मुक्त व्यवस्था कायम करने के लिए एक सशक्त जनलोकपाल कानून बनाने में सरकार को परेशानी क्यों है? आवश्यक वस्तुओं की कीमतें बेकाबू क्यों हैं? कांग्रेस 'ग्रेट इंडिया ग्रोथ' का जुमला भले गढ़ ले, किंतु देश का समग्र विकास सही नीतियों व दृढ़ नेतृत्व के बिना संभव नहीं है। चुनावी लाभ के लिए जनभावनाओं का दोहन करने की बजाय राहुल गांधी को इन प्रश्नों का उत्तर तलाशना चाहिए।

क्योंकि रेलवे कोयला खदान से प्लांट तक इनकी आपूर्ति कर पाने में अक्षम है। दुनिया का चौथा बड़ा कोयला उत्पादक देश होने के बावजूद भारत आज अपनी जरूरत का 30 प्रतिशत कोयला आयात कर रहा है।

देश में उर्वरकों की मांग लगातार बढ़ रही है। सरकार विदेशों से दो करोड़ टन उर्वरक आयात करती है। इससे राजकोष पर 10 अरब डॉलर का बोझ पड़ता है। बावजूद इसके सरकार के नीति–नियंताओं को नया उर्वरक संयंत्र स्थापित करने की चिंता नहीं होती। जब रोजगार का सृजन ही नहीं होगा तो रोजगार की संभावनाओं वाले महानगरों में पलायन की विवशता तो रहेगी ही। देश में भारी बेरोजगारी है। सर्वाधिक साक्षर राज्य केरल में 20.77 प्रतिशत बेरोजगारी है। इसकी वजह क्या है? योजना आयोग ने 2015 के लिए जो अनुमान लगाया है, उसके अनुसार बैंकिंग व फाइनेंस क्षेत्र में 45 से 50 लाख, स्वास्थ्य में 40.45 लाख, ऑटो सेक्टर में 22 लाख, रिटेल में 40.50 लाख और निर्माण क्षेत्र में 1.5 करोड़ रोजगार सृजित करने की आवश्यकता है। क्या कागजों में लक्ष्य निर्धारित कर लेने मात्र से बेरोजगारी दूर हो जाएगी?

आम आदमी की पार्टी होने का शंखनाद करने वाली कांग्रेस के राज में हर जरूरी वस्तु की कीमतों में बेतहाशा वृद्धि हुई है। पिछले तीन सालों में चीनी की कीमतें 100 प्रतिशत, गेहूं 150 प्रतिशत और दाल व सब्जियां 300 प्रतिशत महंगी हुई हैं, किंतु सरकार की संवेदनहीनता देखें कि प्रधानमंत्री से लेकर उनके शीर्ष सलाहकार व नीति–निर्धारक बढ़ती महंगाई को संपन्नता की निशानी बता रहे हैं तो खाद्य मंत्री का कहना है कि लोगों की क्रयशक्ति बढ़ने से उनकी खाने की आदतें बदल रही हैं और इस कारण महंगाई बढ़ रही है। कोई यह नहीं बताता कि वर्ष 2010–11 में खाद्यान्न और दूध का रिकार्ड उत्पादन होने के बावजूद खाद्यान्नों और दूध की कीमतों में उछाल क्यों है? पेट्रोल–डीजल की कीमतों में लगातार वृद्धि हो रही है। इनकी कीमतें बढ़ने का चहुंमुखी प्रभाव पड़ता है, किंतु सरकार को केवल राजस्व की फिक्र है। निजी कंपनिया तेल से मुनाफा कमा रही हैं तो सरकार भी मालामाल हो रही है। दिल्ली में प्रति लीटर 11.14 रुपये वैट वसूला जाता है यानी मासिक 114 करोड़ रुपये से अधिक राजस्व सरकार को मिल रहा है। यह 2008 के मुकाबले में 40 प्रतिशत अधिक है। केंद्र सरकार ड्यूटी के तौर पर प्रति लीटर 14.78 रुपये प्राप्त करती है। स्वाभाविक है कि जब तक सरकार राजस्व बटोरने में अपना ध्यान केंद्रित रखेगी तब तक आम आदमी पर बोझ बढ़ता ही रहेगा।

आज भ्रष्टाचार, महंगाई और विदेशों में जमा कराया गया काला धन सार्वजनिक चिंता का विषय है। जर्मनी की सरकार से 700 बड़े कर चोरों का पता चला है। सरकार उनके नाम क्यों छिपा रही है? भ्रष्टाचार मुक्त व्यवस्था कायम करने के लिए एक सशक्त जनलोकपाल कानून बनाने में सरकार को परेशानी क्यों है? आवश्यक वस्तुओं की कीमतें बेकाबू क्यों हैं? कांग्रेस 'ग्रेट इंडिया ग्रोथ' का जुमला भले गढ़ ले, किंतु देश का समग्र विकास सही नीतियों व दृढ़ नेतृत्व के बिना संभव नहीं है। चुनावी लाभ के लिए जनभावनाओं का दोहन करने की बजाय राहुल गांधी को इन प्रश्नों का उत्तर तलाशना चाहिए। ■

(लेखक गुजरात प्रदेश भाजपा के प्रभारी व राज्यसभा सदस्य हैं)

दैनिक जागरण से साभार

पृष्ठ 23 का शेष.....

वहां के जनमानस में है।

- नेपाल में स्थिरता तथा भूटान की हर तरह से सुरक्षा इन देशों के साथ–साथ इस पूरे क्षेत्र के हित में है। इसमें भी भारत को महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह करना होगा।
- हम प्रभुत्व निर्माण करने वाले नहीं हैं, हम तो वसुधा को कुटुम्ब मानते हैं। सबसे आत्मीयता व मित्रता की चाह रखते हैं। अनेक देशों के लोग भारतीयों के व्यवहार से हम पर विश्वास करते हैं।
- अतः हमें अपनी राष्ट्रीय संप्रभुता, प्रतिष्ठा व सुरक्षा को अक्षुण्य रखने की सावधानी बरतते हुए, विश्व के अशांत वातावरण को सहयोग व विश्वास के वातावरण में बदलने की पहल करनी होगी तथा इसमें समर्थ होना पड़ेगा।
- सम्पूर्ण देश में राष्ट्रीयता का वातावरण बनायें। जनता को वास्तविकता से अवगत कराते हुए जागृत करें, शासन, दृढ़, इच्छाशक्ति का परिचय देते हुए राजनैतिक लाभ–हानि का विचार न करते हुए ढांचागत सुविधाओं को खड़ा करने में शीघ्रता, सेनाओं के आधुनिकीकरण की चिंता तथा पड़ोसी देशों से रणनीतिक के संकट पर कार्य तथा सांस्कृतिक सम्बंधों की मजबूती देने हेतु कदम उठाये जाएं।
- जनता की राष्ट्रवादी आकांक्षा और शासन के नीतिगत दृष्टिकोण में अंतर न आये।
- राष्ट्रभक्ति ले हृदय में हो खड़ा यह देश हमारा। संकटों पर मात कर यह राष्ट्र विजयी हो हमारा।।

इसी अकांक्षा के साथ सब सोचेंगे, बोलेंगे, करेंगे तो समाधान निश्चित है।

Mj ugh] [kM gkA ■

(लेखक भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) हैं)

मध्य प्रदेश

वोट फार कैश मामला

मनमोहन, सोनिया करें सच्चाई का खुलासा : नितिन गडकरी

लोकतंत्र के इतिहास में देश में घटा 'वोट फार कैश' ऐसा मामला था, जिसमें भ्रष्टाचार को ईमानदारी से उजागर किया गया, लेकिन दुर्भाग्य है कि उन ईमानदार लोगों को सत्य बोलने की सजा तिहाड़ जेल में रहकर चुकानी पड़ी है। अपनी सरकार बचाने के लिए कांग्रेस ने जिस तरह सांसदों की खरीद–फरोख्त की यह बात अब किसी से छिपी नहीं। क्या यह सांसदों की खरीदी प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन की अध्यक्ष सोनिया गांधी से पूछकर की गई थी? आज यह सवाल सारा देश पूछ रहा है। यह 18 नवम्बर को भोपाल में एक दिन के प्रवास पर आए भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन गडकरी ने पत्रकारों से चर्चा के दौरान कही।

उन्होंने कहा कि भाजपा के पास इस बात के रिकार्ड मौजूद हैं कि किस तरह न्यूक्लियर पॉवर विषय पर अपनी सरकार गिरते देख कांग्रेस ने सांसदों को खरीदने की योजना बनाई। श्री गडकरी ने कहा कि इसके पीछे जिम्मेदार लोगों पर कानूनी कार्यवाही की जानी चाहिए न कि उन लोगों पर जिन्होंने इस भ्रष्टाचार का खुलासा किया। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि सुधीन्द्र कुलकर्णी और भाजपा के वरिष्ठ आदिवासी नेता, सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते को दीपावली के ज्योति पर्व पर तिहाड़ जेल में बंद रखा गया, जिसके कारण श्री कुलस्ते अपने भाई के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद उनसे मिल भी न सके। उन्होंने इस कदम को लोकतंत्र में अन्याय की पराकाष्ठा बताया। श्री गडकरी ने कहा कि अब यह साफ हो गया कि 'वोट फार कैश' के संबंध में पूरी साजिश अहमद पटेल ने रची थी और जैसे–तैसे सांसदों को खरीदकर कांग्रेसनीत सरकार को केंद्र में गिरने से बचाया था।

श्री गडकरी ने कहा कि भाजपा यूपीए चेयरमैन से सीधे यह सवाल पूछती है क्या अपने पक्ष में वोट डालने के लिए सांसदों की खरीदी उनकी सहमति से की गई थी। ईमानदार व्यक्ति को लोकतंत्र में जेल में डालने का काम किसके इशारे पर किया गया। क्या कांग्रेस इस कृत्य के लिए देश से क्षमा मांगेगी। भाजपा अध्यक्ष ने श्री कुलकर्णी को दो दिन पूर्व बेल देते वक्त दिए गए दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले को लेकर कहा कि दिल्ली उच्च न्यायालय से 'वोट फॉर कैश' मामले में न्याय मिला है इसलिए हम इसे जनता की अदालत में ले जाएंगे। देश के प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह व संप्रग अध्यक्षा सोनिया गांधी को सही लोगों के खिलाफ झूठी एफआईआर दर्ज कराने के लिए देश से सार्वजनिक माफी मांगनी होगी।

श्री गडकरी ने यह भी कहा कि भाजपा अपने सांसद को झूठे मामले में फंसाने के लिए देशभर में आंदोलन करेगी। यह लड़ाई सदन के अंदर और बाहर दोनों जगह लड़ी जाएगी। वहीं उन्होंने यह भी कहा कि गुनहगार का कोई रंग, धर्म, सम्प्रदाय नहीं होता। अपराधी को सजा देना लोकतंत्र में जरूरी है, लेकिन निरपराध को बिना किसी कृत्य के सजा दिए जाने को माफ नहीं किया जा सकता।

उत्तर प्रदेश

उच्च न्यायालय का निर्णय मायावती सरकार के लिए सबक : राजनाथ सिंह

भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री राजनाथ सिंह ने 16 नवम्बर को आजमगढ़ में पत्रकारवार्ता में उत्तर प्रदेश के स्थानीय निकाय के चुनावों के संदर्भ में इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा दिए गए निर्णय का स्वागत किया और कहा कि इस निर्णय से प्रदेश में लोकतंत्र सुरक्षित हुआ है। बसपा सरकार स्थानीय निकाय चुनावों से लगातार बचना चाह रही है क्योंकि उसे डर है कि स्थानीय निकाय चुनाव में यदि विपक्षी दलों की जीत हो गई तो विधानसभा चुनावों में उसकी हालत बिगड़ जाएगी। हाईकोर्ट का यह निर्णय प्रदेश सरकार के लिए एक सबक है।

उन्होंने आरोप लगाया कि बसपा के शासनकाल में विकास की गति एकदम धीमी पड़ गई है और क्षेत्रीय असमानताओं को बढ़ावा मिला है। योजना आयोग द्वारा जारी किए गए आंकड़े यह बताते है कि प्रदेश के पश्चिमी इलाकों की तुलना में पूर्वी क्षेत्र काफी पिछड़ गया है।

योजना आयोग द्वारा विकास के 36 मापदण्डों को

मिलाकर एक कम्पोजिट डेवलेपमेंट इंडेक्स तैयार किया गया है जिसके अनुसार जहां पश्चिमी क्षेत्र का एक भी जिला सर्वाधिक पिछड़े जिलों में नहीं गिना जाता है वहीं पूर्वी उत्तर प्रदेश के 11 जिले जिनमें आजमगढ़ भी शामिल है, प्रदेश के सर्वाधिक पिछड़े जिलों में गिने जाते हैं।

प्रदेश की बसपा सरकार ने ग्रामीण विकास, सिंचाई और बिजली जैसे मदों में केन्द्र सरकार द्वारा की जा रही बजट प्रतिशत की कटौती का क्यों विरोध नहीं किया है? जबकि वह केन्द्र सरकार को अपना समर्थन भी दे रही है। बसपा सरकार साढ़े चार सालों तक हाथ पर हाथ रखकर बैठी रही और विधानसभा चुनाव सिर पर आने के बाद सुश्री मायावती आनन–फानन में उत्तर प्रदेश के विभाजन का प्रस्ताव विधानसभा में लाने जा रही है। सिद्धान्त रूप में भारतीय जनता पार्टी छोटे राज्यों के गठन की पक्षधर है लेकिन नए राज्यों के गठन की प्रक्रिया चुनावी स्टंट के रूप में नहीं इस्तेमाल की जानी चाहिए। भाजपा यह स्पष्ट कर चुकी है कि उत्तर प्रदेश का विभाजन हड़बड़ी में नहीं होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि प्रदेश के पूर्वी क्षेत्रों में नक्सलवाद की समस्या सिर उठा रही है। नक्सलवाद की समस्या से निपटने के लिए कौन सी रणनीति अपनाई जाए इस बारे में कांग्रेस पार्टी में आपस में ही मतभेद हैं जिसके कारण नक्सलवाद की समस्या को हल करने में केन्द्र की यूपीए सरकार पूरी तरह विफल साबित हुई है।

प्रदेश की दुर्दशा के लिए कांग्रेस और बसपा जवाबदेह : कलराज मिश्र

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री कलराज मिश्र ने 15 नवम्बर को उन्नाव में अपनी पत्रकारवार्ता में कहा कि नेहरू की कर्मभूमि से राहुल का यह कहना है कि उ.प्र. के लोग बाहर न जाये, देश के प्रान्त और भाषा के आधार पर विभाजन की मानसिकता का द्योतक है। जब उ.प्र. के लोगों पर हमले हो रहे थे और महाराष्ट्र की कांग्रेस सरकार उसको रोकने में नाकाम थी। तब राहुल गांधी कहां थे और उनको गुस्सा क्यों नहीं आया? श्री मिश्र ने कहा कि केन्द्र की सरकार भ्रष्टाचार के आरोपों में घिरी है। बसपा सरकार पर भी भ्रष्टाचार के आरोप हैं। सपा, बसपा के प्रमुखों पर आय से अधिक सम्पत्ति की जांच जारी है। केवल भाजपा ही भ्रष्टाचार के विरुद्ध लड़ाई लड़ रही है। भाजपा ने भ्रष्टाचार को मुद्दा पिछले लोकसभा चुनाव में ही बनाया था।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस, बसपा नूरा–कुश्ती का खेल छोड़कर वास्तविक स्थिति का सामना करे। केन्द्र और प्रदेश में बैठी इनकी सरकारें जनसमस्याओं के लिए जवाबदेह हैं। बयानबाजी के बजाय अपनी जवाबदेही सुनिश्चित करें और यह बतायें कि 20 करोड़ की आबादी वाले प्रदेश में लगभग 12 करोड़ लोग गरीबी की रेखा के नीचे कैसे पहुंच गये।

श्री मिश्र ने कहा कि विकास की दौड़ में लगातार पिछड़ रहे उ.प्र. की तस्वीर अत्यन्त ही भयावह है। उ.प्र. पांच प्रमुख गरीब प्रान्तों में से एक है। जी.डी.पी. के मामले 27 राज्यों में 26वां स्थान है। देश के सर्वश्रेष्ठ अस्पतालों में से एक भी उ.प्र. का नहीं है तथा किसी भी सर्वश्रेष्ठ निजी बैंक का मुख्यालय उ.प्र. में नहीं है। चाल–चरित्र के मामले में कांग्रेस और बसपा में कोई फर्क नहीं है। चुनाव से डरी सहमी बसपा सरकार में जनता का सामना करने का नैतिक साहस नहीं रह गया है। सरकार ने नगर निकाय चुनाव जानबूझ कर टालने की साजिश की इसलिए लोक–लुभावन घोषणाएं एवं जातीय सम्मेलन करके अपने पक्ष में वातावरण बनाना चाहती हैं। पुलिस उत्पीड़न की घटनाओं में लगातार वृद्धि हुई है। उ.प्र. पुलिस उत्पीड़न के लगभग 35 प्रतिशत मामले बढ़े हैं। पुलिस एक तरफ सिटीजन चार्टर लागू करती है दूसरी तरफ लाश लेकर भागती है। उ.प्र. में 30 प्रतिशत शिकायतें पुलिस द्वारा मानवाधिकार के उलंघन के खिलाफ दर्ज हुए हैं।

श्री मिश्र ने दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी ही अकेली पार्टी है जो जनता की लड़ाई सड़क से लेकर सदन तक लड़ रही है और जनता के समर्थन से बदलाव करके ही दम लेगी।

बिहार

भ्रष्टाचार के मामलों को उजागर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है कैग : सुशील मोदी

बिहार में विभिन्न सरकारी विभागों के वित्तीय अनुशासन कायम रखने के उद्देश्य से प्रत्येक विभाग में आन्तरिक वित्तीय सलाहकार की नियुक्ति करते हुए उसके प्रकोष्ठ हेतु पर्याप्त कर्मियों एवं अन्य आधारभूत संरचनाओं का विकास किया जा रहा है। यह वित्तीय सलाहकार विभिन्न विभागों में

बजट–सापेक्ष राशि व्यय करने, व्यय का महालेखाकार कार्यालय से मिलान करने, लोक लेखा समिति से जुड़े मामलों का निष्पादन करने, महालेखाकार और वित्त विभाग के अंकेक्षण–प्रतिवेदनों में त्रुटियों के निराकरण करने जैसे विभागीय दायित्वों का अनुपालन सुनिश्चित करायेगा। ये बातें राज्य के उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ने 16 नवम्बर को पटना में भारतीय लेखा एवं लेखा परीक्षा विभाग की 150वीं वर्षगांठ के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। मोदी ने कहा कि सीएजी एक ऐसी संवैधानिक संस्था है, जिसने आज देश में भ्रष्टाचार के कतिपय मामलों को उजागर करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि यह संस्था केन्द्र सरकार एवं राज्य सरकारों का ध्यान लोक व्यय में त्रुटियों से जुड़े मामलों की ओर आकृष्ट करती है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में एसी एवं डीसी बिल के मामलों में इस संस्था द्वारा संकेत किए जाने के फलस्वरूप राज्य सरकार ने कोषागार से राशि निकासी के मामलों में पूरी नियमितता बरतने के कई कार्रवाइयां की है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधानसभा अध्यक्ष उदय नारायण चौधरी ने कहा कि सीएजी को अब तक अनछुए प्रक्षेत्रों की ओर भी अपनी नजर दौड़ानी चाहिए। उन्होंने कहा कि इस संस्थान का गौरवपूर्ण इतिहास रहा है। जनतांत्रिक दायित्वों के प्रति भी इसने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस अवसर पर राज्य की लोक लेखा समिति के अध्यक्ष ललित कुमार यादव तथा प्रधान महालेखाकार प्रेमनदिनाराज समेत कई महालेखाकारों ने अपने विचार रखे।

झारखंड

कांग्रेस भ्रष्टाचार व महंगाई की जननी : डॉ. दिनेशानंद गोस्वामी

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिनेशानंद गोस्वामी ने कहा कि आज देश विषम परिस्थिति के दौर से गुजर रहा है। पूरे देश में भ्रष्टाचार एवं महंगाई व्यापक रूप से पांव पसारे हुए है। कांग्रेस इसकी जननी है। महंगाई चरमसीमा पर है। लेकिन केन्द्र की सरकार इसकी कोई सुध नहीं ले रही है। उन्होंने कहा कि राज्य में मुख्यमंत्री ने लाडली योजना शुरू किया है, जिसमें प्रदेश के बच्ची अनपढ़ और बिन ब्याही नहीं रहेगी।

गत 19 नवम्बर को रांची स्थित प्रदेश कार्यालय में प्रदेश पदाधिकारियों एवं जिला अध्यक्षों की बैठक में डॉ गोस्वामी में बोल रहे थे। बैठक की अध्यक्षता मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष मो. काजिम कुरैसी ने की। इस अवसर पर राज्य अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व अध्यक्ष मो. कमाल खान ने कहा कि आज राज्य में भाजपा ने ही अल्पसंख्यक स्कूल और मदरसों के शिक्षक एवं मौलवीय को 6वां वेतनमान लागू कराया। भाजपा की सोच हमेशा समाज के हित में रही है। बैठक में मुख्य रूप से अनवर हेयात, तारिक इमरान, नजीर अतहर सहित अन्य उपस्थित थे।

हिमाचल प्रदेश

पूर्व दूरसंचार मंत्री सुख राम की सजा काला इतिहास : भाजपा

भारतीय जनता पार्टी ने पूर्व संचार मंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सुखराम को न्यायालय द्वारा 5 वर्ष की कैद व 4 लाख रूपये जुर्माना की सजा को कांग्रेस पार्टी के भ्रष्टाचार के कीर्तिमानों में एक और काला इतिहास के रूप में कांग्रेस की पहचान का उदाहरण बताया है।

गत 19 नवम्बर को शिमला से जारी एक बयान में भाजपा प्रवक्ता श्री गणेश दत्त ने कहा कि सुखराम की संचार घोटाले में हुई सजा से हिमाचल का नाम बदनाम हुआ है। उन्होंने कहा कि हालांकि सुखराम ने संचार घोटाले में अपनी पार्टी के कुछ नेताओं की साजिश होने की बात कही है। जो कांग्रेसी अपनी ही पार्टी के नेताओं के साथ साजिश कर सकते हैं वे विरोधी पार्टी के विरूद्ध क्या–क्या षडयन्त्र कर सकते हैं यह कांग्रेस के लोगों के ही मुंह से सुनी जा सकती है। उन्होंने कहा कि सुखराम केस में न्याय ने अपना काम किया है लेकिन समय–समय पर केन्द्र की कांग्रेस सरकार विरोधी दल के नेताओं को सी.बी.आई. के माध्यम से न्याय को प्रभावित करती आयी है उसका उदाहरण लोकसभा में सरकार के विरूद्ध अविश्वास प्रस्ताव के समय उ.प्र. की मुख्यमंत्री मायावती व पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम के विरूद्ध केस चलाकर उन्हें ब्लैकमेल कर कांग्रेस सरकार को बचाने के लिये समर्थन प्राप्त करना कांग्रेस की रणनीति का भाग रहा है।

छत्तीसगढ़

किसानों का धान खरीदने वाला छत्तीसगढ़ एकलौता राज्य : डॉ रमन सिंह

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने 19 नवम्बर को राज्य के राजनांदगांव जिले के ग्राम रेंगाकठेरा में एक करोड़ 56 लाख रूपए के विभिन्न विकास और निर्माण कार्यों का लोकार्पण और भूमि पूजन किया। उन्होंने वहां ग्रामीणों की एक विशाल आम सभा में कहा कि छत्तीसगढ़ देश का

अकेला ऐसा राज्य है, जो अपने किसानों को उनकी मेहनत और उपज का वाजिब मूल्य दिलाने के लिए समर्थन मूल्य पर धान खरीद रहा है। इस वर्ष प्राथमिक सहकारी समितियों के माध्यम से लगभग 55 लाख टन धान खरीदने का लक्ष्य है। इसके लिए किसानों को करीब छह हजार करोड़ रूपए का भुगतान किया जाएगा। डॉ. रमन सिंह ने कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मण्डल की योजना के तहत दस महिला श्रमिकों को निःशुल्क सिलाई मशीन प्रदान करते हुए स्वास्थ्य विभाग की योजना के तहत दस मितानिन प्रशिक्षकों को निःशुल्क सायकलों का भी वितरण किया।

आम सभा को सम्बोधित करते हुए डॉ. सिंह ने रेंगाकठेरा में ग्रामीणों के सामूहिक प्रयासों से लागू की गयी शराब बंदी की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि इस गांव के लोगों ने देश और समाज के सामने एक प्रेरणादायक मिसाल पेश की है। राज्य सरकार की मंशा है कि शराब की सामाजिक बुराई को जनता के सहयोग से समाप्त किया जाए। इसके लिए प्रदेश सरकार ने स्वयं दो हजार तक आबादी वाले गांवों में शराब के लगभग ढाई सौ सरकारी ठेके इस वित्तीय वर्ष से हमेशा के लिए बंद करवा दिए हैं, जबकि नशे की बुराई के खिलाफ जनचेतना जाग्रत करने के लिए महिलाओं को संगठित कर भारत माता वाहिनियों का भी गठन किया जा रहा है। डॉ. सिंह ने इस अवसर पर क्षेत्र के मनकी सिंचाई जलाशय की नहर लाइनिंग कार्य के लिए तीन करोड़ रूपए की धनराशि स्वीकृत करने और ग्राम रेंगाकठेरा में उप स्वास्थ्य केन्द्र भवन निर्माण सहित वहां से डारागांव तक दो किलोमीटर और रेंगाकठेरा–मोहबा–कांकेतरा तक चार किलोमीटर तक सड़क डामरीकरण का प्रस्ताव मंजूर करने का ऐलान किया।

उन्होंने यह भी कहा कि किसानों की सुविधा के लिए रेंगाकठेरा में जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के माध्यम से बचत शाखा और खाद वितरण केन्द्र की स्थापना की जाएगी। ग्रामीणों को सम्बोधित करते हुए उन्होंने राज्य शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी नीतियों और योजनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार गांवों के समग्र विकास पर सर्वाधिक लगभग 75 प्रतिशत राशि खर्च कर रही है। ग्रामीण विकास और गरीबों तथा किसानों के जीवन में तरक्की और खुशहाली लाना प्रदेश सरकार की सर्वोच्च प्राथमिक है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अब तक लगभग 97 प्रतिशत गांवों का विद्युतीकरण हो चुका है, जबकि अगले दो साल में राज्य के प्रत्येक विद्युतविहीन गांव और मजरे–टोले में बिजली पहुंच जाएगी। उन्होंने ने कहा कि गांवों में विद्युत सुविधाओं के विकास के लिए तीन वर्ष की कार्य योजना बनाकर 17 हजार करोड़ रूपए खर्च किए जा रहे हैं।

लोकार्पण और भूमि पूजन समारोह को लोकसभा सांसद श्री मधुसूदन यादव ने भी सम्बोधित किया। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ राज्य नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष लीलाराम भोजवानी, बीस सूत्रीय कार्यक्रम समिति के उपाध्यक्ष श्री खूबचंद पारख, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री दिनेश गांधी और जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के अध्यक्ष शशिकांत द्विवेदी सहित अनेक जनप्रतिनिधि और भारी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे। डॉ. सिंह ने इस मौके पर रेंगाकठेरा में प्रवेश द्वार निर्माण, सामुदायिक भवन, हायर सेकेण्डरी स्कूल भवन और वन एवं कृषक सलाह तथा सूचना केन्द्र के भवन का शिलान्यास किया। उन्होंने वहां पेयजल प्रदाय योजना के तहत 28 लाख रूपए की लागत से निर्मित पानी टंकी, लगभग पौने छह लाख रूपए की लागत से निर्मित सहकारी खाद गोदाम, करीब छह लाख रूपए की लागत से निर्मित पशु औषधालय भवन और पौने तीन लाख रूपए की लागत से निर्मित आंगनबाड़ी भवन का लोकार्पण किया।

उत्तराखण्ड

केन्द्र सरकार का रवैया राज्य के साथ भेदभावपूर्ण : धर्मेंद्र प्रधान

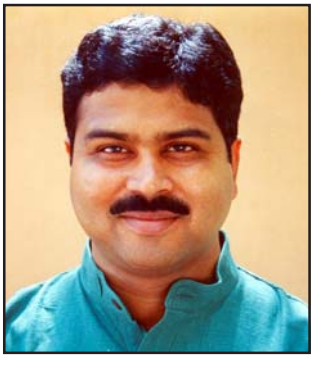

देवभूमि उत्तराखण्ड में गंगा की उत्पति से लेकर विभिन्न संस्कृतियों का के संगम ने इसे एक विशेष राज्य के रूप में स्थापित किया है लेकिन इस राज्य के साथ केन्द्र सरकार का रवैया जिस तरह का है वह यहां के लोगों में आक्रोश पैदा करता है। उक्त बातें भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान ने 4 नवम्बर को भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रेस वार्ता के दौरान कही। उन्होंने राज्य में सशक्त लोकायुक्त को लागू किए जाने पर मुख्यमंत्री श्री बी.सी. खंडूडी को बधाई देते हुए कहा कि इस कार्य से पार्टी दोबारा राज्य की सत्ता में वापसी करेगी।

श्री प्रधान ने कहा कि राज्य के लोकप्रिय मुख्यमंत्री खंडूडीजी जिस तरह से मात्र डेढ़ महीने के समय में लोकायुक्त बिल को सदन में परित किया है इससे राज्य में भ्रष्टाचार के खात्मे को बल प्रदान हुआ है। इससे राज्य की आम जनता को सीधा लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकार में तो केवल भ्रष्टाचार ही दिखाई पड़ता है। फिर भी कांग्रेस पार्टी अपना दोष स्वीकार करने को राजी नही है। उन्होंने कहा कि राज्य में अगामी विधानसभा चुनाव में पुनः भाजपा सत्ता में आएगी और राज्य में विकास की गति प्रदान कर जनता को खुशहाल बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी।

उन्होंने कहा कि राज्य गठन के समय तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल जी की सरकार ने राज्य को विशेष पैकेज मुहैया कराई थी। लेकिन जैसे ही राज्य में भाजपा की सरकार बनी तो केन्द्र ने पैकेज अवधि को घटाकर कम कर दिया जिससे राज्य की आर्थिक स्थिति कमजोर हो गई। फिर भी भाजपा की सरकार ने अपनी सूझ–बूझ से राज्य को ऊंचाई प्रदान कर रही है ।

श्री प्रधान ने केन्द्र सरकार को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि इस सरकार ने जब से सत्ता संभाली है तब से देश की आर्थिक स्थिति खस्ताहाल होती जा रही है। फिर भी यह चेतने के मूड में नहीं है। उन्होंने पेट्रोल की बढ़ती कीमतों पर सरकार की नाकामी का कारण बताया और कहा कि जिस देश का प्रधानमंत्री खुद अर्थशास्त्री हो और जहां की आर्थिक स्थिति दिनप्रतिदिन बदतर होती जा रही है तो यह चिंता की बात है। इनके नेतृत्व में चारों तरफ केवल घोटाले ही घोटाले दिखाई पड़ रहे हैं। इससे तो यही लगता है कि यह सरकार देश के उपर बोझ बनी हुई है।

उन्होंने वित मंत्री पर आरोप लगाते हुए कहा कि जब महंगाई कम करने की बात आती है तो कुछ समय का मौका देने को कहते है। फिर वह मौका भी गुजर जाता है। लेकिन महंगाई घटने के जगह बढ़ती जा रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने सत्ता में आने से पहले वादा किया था 100 दिनों में महंगाई पर काबू पा लिया जाएगा। फिलहाल तो ऐसा नहीं लग रहा है, आज सरकार को 900 सौ दिनों से अधिक हो गया फिर भी वह कुछ करने में सफल नहीं रही। इससे तो यहीं लगता है कि सरकार को सत्ता में बने रहने का कोई अधिकार नहीं है।

उन्होंने कहा कि देश और राज्य के शासन पर कांग्रेस 50 वर्षों से अधिक समय तक काबिज होने के बावजूद भी देश हित में इसका क्या योगदान रहा है, यह समझ से बाहर है। पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस के दाम जिस तरह से सरकार बढ़ा रही है उससे जनता आजीज हो चुकी है जिसका परिणाम कांग्रेस को भुगतना पड़ेगा। श्री प्रधान ने कहा कि महीने भर में दो–दो बार तेल का दाम बढ़ना। सरकार की विफलता का नतीजा है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने केन्द्र में अटल जी के नेतृत्व में 6 वर्षों तक सरकार चलाई जिसने कांग्रेस के 50 वर्षों के शासन को पीछे छोड़ दिया। ■

पृष्ठ 19 का शेष...

उन्होंने कहा कि भाजपा इस टूटते विश्वास को चुनौती के तौर पर ले रही है। उन्होंने यात्राओं के दौरान मिले किसानों की प्रतिक्रियाएं सुनाई तथा उनकी समस्याओं पर विस्तार से रखा और लोगों से वायदा किया कि पार्टी सत्ता में आते ही सबको न्याय प्रदान करेगी, सभी को विकास की धारा से जोड़ेगी। छोटे, मंझोले किसान महंगाई से तड़प रहे हैं। उन्होंने कांग्रेस व बसपा को चेताते हुए कहा कि ये दोनों नूराकुश्ती का खेल बंद करें।

पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री कलराज मिश्र ने भी जन स्वाभिमान यात्रा में मिला लोगों का समर्थन व स्नेह के बदले जनता को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि मायावती सरकार ने अपनी काली करतूतों से राज्य को कंगाल कर दिया है। किसानों के पास खाद, बिजली, पानी नहीं है। उपज का ठीक दाम नहीं मिल पा रहा है। किसान परेशान होकर आत्महत्या कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि किसानों की हालत तो दयनीय हो गई, परन्तु मुख्यमंत्री एवं उनके मंत्री मालामाल हो गए। अधिकारियों की हत्याएं की गईं, ईमानदार अधिकारियों का काम करना दुश्वार हो गया है। लोग अपराध और भ्रष्टाचार से आजिज आ चुके हैं। प्रदेश में जबरदस्त बदलाव की बयार है, लोग भ्रष्ट सरकार से मुक्ति चाहते हैं।

जनसभा को संबोधित करते हुए मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री सुश्री उमा भारती ने कहा कि राम मंदिर और रामराज्य दोनों का सपना मेरे मन में बसा हुआ है। पार्टी की सरकार बनी तो यह सपना साकार होगा। लोगों को एक नए अध्याय से जोड़ा जाएगा। उन्होंने लोगों से कहा कि संकल्प लेकर जाइए कि आने वाले चुनाव में भाजपा को ही मतदान करके उसे सत्ता में जाने का मार्ग प्रशस्त करें। पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री विनय कटियार, राष्ट्रीय महासचिव श्री नरेन्द्र सिंह तोमर, विधानमंडल के नेता ओम प्रकाश सिंह, प्रदेश अध्यक्ष श्री सूर्य प्रताप शाही, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री मुख्तार अब्बास नकवी, रमापतिराम त्रिपाठी आदि ने संबोधित किया।■